घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 317- शनिवार 19- सितम्बर 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्र. 13/Surguja DN/ 2026-2028

पेपर लीक रोकने के क्या इंतजाम हुए..सुप्रीम कोर्ट जांचेगा

जज नेशनल टेस्टिंग एजेंसी दफ्तर जाएंगे,एजेंसी ने कहा था...एग्जाम सिस्टम फूलप्रूफ बनाया

नई दिल्ली, 18 सितम्बर 2026। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि जरूरत पड़ने पर नीट परीक्षा सिस्टम की जांच के लिए जज नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) के ऑफिस का दौरा करेंगे। वे देखेंगे कि परीक्षा को सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से कराने के इंतजाम वास्तव में काम कर रहे हैं या नहीं। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस अलोक अराधे की बेंच यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट,FAIMA और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। इसमें नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को भंग करने और पेपर लीक रोकने के लिए मजबूत निगरानी सिस्टम की मांग की गई है। इससे पहले सरकार ने 19 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि नीट परीक्षा सिस्टम फूलप्रूफ है। इसमें सेंध लगाना मुश्किल है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश...नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को वेबसाइट पर ब्योरा देना होगा

1. **सुधारों की जानकारी दें**-कोर्ट ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को अपने सुधारों और अब तक हुई प्रगति का ब्योरा वेबसाइट पर डालने का निर्देश दिया है। इससे परीक्षा व्यवस्था में हो रहे बदलावों की जानकारी सार्वजनिक होगी।
2. **स्थायी कर्मचारी रखे जाएं**-नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के लिए पर्याप्त स्थायी कर्मचारी और विशेषज्ञ स्टाफ रखने की जरूरत पर चर्चा हुई। कोर्ट ने बेहतर मैनपावर,प्रशिक्षण,इंफ्रास्ट्रक्चर और संस्थानों के बीच बेहतर तालमेल की जरूरत बताई। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को मजबूत कानूनी आधार देने के लिए वैधानिक व्यवस्था पर भी विचार किया गया।
3. **डिजिटल परीक्षा चरणबद्ध तरीके से होगी**-कोर्ट ने कहा कि लिखित परीक्षा से डिजिटल परीक्षा की ओर बदलाव अचानक नहीं किया जा सकता। इसे धीरे-धीरे लागू करना होगा,ताकि नई व्यवस्था में परेशानी न हो।
4. **सुझाव भेजने की सुविधा**-कोर्ट ने कहा कि परीक्षा सुधारों को लेकर वकील और राज्य अपने सुझाव तय ई-मेल के जरिए भेज सकते हैं। इन सुझावों को सुधार प्रक्रिया में शामिल किया जा सकेगा।

सरकार ने कहा...कमेटी सितंबर के अंत तक रिपोर्ट देगी...

केंद्र ने कोर्ट को बताया कि नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता वाली हाई-पावर्ड पैनल की पहली अंतरिम रिपोर्ट सितंबर के अंत तक आने की संभावना है।

सुप्रीम कोर्ट ने 3 महीने में 2 बार कहा...यूपीएससी जैसा सिस्टम बनाएं...

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि यूपीएससी जैसा मजबूत सिस्टम बनाना चाहिए,जिसमें परीक्षा कराने का अनुभव अधिकारियों के ट्रांसफर होने के बाद भी संस्था के पास बना रहे। कोर्ट ने कहा कि कागज पर प्रक्रिया बेहतर दिख सकती है, लेकिन असली चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि एक परीक्षा के बाद अगली परीक्षा तक व्यवस्था में वही कमजोरियां दोबारा न लौटें।

यूपीआई चार्ज पर आमजनता की कटेगी जेब,लोगों में आक्रोश : मायावती

लखनऊ, 18 सितम्बर 2026। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने 15 अक्टूबर से लागू होने वाले नए यूपीआई शुल्क ढांचे पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने के बाद शुल्क ढांचा लागू करने से अंततः आम जनता पर खर्च का बोझ बढ़ सकता है। मायावती ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट कर कहा कि यूपीआई डिजिटल लेनदेन को पहले खूब बढ़ावा देने के बाद अब उस पर शुल्क वसूलने की नई व्यवस्था से लोगों में बेचैनी और आक्रोश स्वाभाविक है। उन्होंने इसे जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने वाली व्यवस्था बताते हुए कहा कि इसे चाहे जो नाम दिया जाए, अंततः इसका असर आमजन की जेब पर पड़ सकता है। मायावती ने कहा कि देश की बहुसंख्यक आबादी गरीबी और महंगाई की मार झेल रही है। ऐसे में सरकार की नीति और कार्ययोजना लाभ कमाने वाली व्यावसायिक व्यवस्था की बजाय

कल्याणकारी अधिक होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता की आर्थिक तंगी और दुख-तकलीफ की चिंता सरकार को करनी चाहिए। मायावती ने उत्तर प्रदेश सरकार की करीब 300 करोड़ रुपये की लागत से लगभग 14,500 स्कूलों को स्मार्ट स्कूल बनाने की घोषणा का भी जिक्र किया। उन्होंने इसे अच्छी पहल बताते हुए कहा कि बच्चों को स्मार्ट पढ़ाई उपलब्ध कराने से पहले स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की जानी चाहिए। बसपा प्रमुख ने कहा कि स्कूली बच्चों के लिए भवन,बेंच-कुर्सी, किताबें,शौचालय,खेल मैदान और साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं दुरुस्त करना जरूरी है।

ममता बनर्जी के समर्थन के ऐलान के कुछ ही घंटों बाद कांग्रेस उम्मीदवार गिरफ्तार

कोलकाता, 18 सितम्बर 2026। पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव में एक और बड़ा नाटकीय घटनाक्रम सामने आया है। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को समर्थन देने की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई हत्या के एक पुराने मामले में की गई है। गौरतलब है कि, शुक्रवार को ही ममता गुट की उम्मीदवार

संचिता प्रधान ने अपना नामांकन वापस ले लिया था। इसके तुरंत बाद ममता बनर्जी ने प्रेसवार्ता कर नंदीग्राम उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को समर्थन का एलान किया। इस बड़ी राजनीतिक घोषणा के कुछ ही समय बाद पुलिस ने मिलन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, नंदीग्राम से कांग्रेस उम्मीदवार एक पुराने हत्या के मामले में आरोपित हैं और उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। इसी वारंट के आधार पर शुक्रवार को उन्हें हिरासत में लिया गया। बता दें कि, शनिवार को नामांकन दाखिल करने का आखिरी दिन है। नामांकन की समय सीमा समाप्त होने से ठीक पहले, मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के गढ़ माने जाने वाले नंदीग्राम में विपक्षी उम्मीदवार की गिरफ्तारी से राजनीतिक गलियारों में भारी हड़कंप मच गया है। इस कार्रवाई पर कांग्रेस ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने इसे राजनीतिक साजिश करार देते हुए कहा, अचानक से यह मामला सामने आ गया। इस तरह से भाजपा एक दलीय शासन व्यवस्था स्थापित करना चाहती है। क्या इस देश में विपक्षी राजनीति के लिए कोई जगह नहीं बचेगी?

ममता बनर्जी की पार्टी का नाम 'ममता टीएमसी'

सिंबल फुटबॉल प्लेयर,बागी गुट 'डेमोक्रेटिक टीएमसी' कहलाएगा,ऋतब्रत गुट को मिला 'लिफाफा' चुनाव चिन्ह

नई दिल्ली, 18 सितम्बर 2026। बंगाल में दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव से 18 दिन पहले चुनाव आयोग ने टीएमसी के दोनों गुटों को अलग-अलग नाम और चुनाव चिह्न आवंटित कर दिए हैं। ममता बनर्जी के गुट को 'ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' और 'फुटबॉल खिलाड़ी' का चिह्न मिला है, जबकि दूसरे गुट को 'डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस' और 'लिफाफा' दिया गया है। इससे एक दिन पहले आयोग ने दोनों गुटों को 'ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' नाम और 'फूल-घास' वाला मूल चुनाव चिह्न इस्तेमाल करने से रोक दिया था। यह अंतरिम व्यवस्था है। मूल नाम और चिह्न पर अंतिम फैसला अभी आना बाकी है। अब दोनों गुट उपचुनाव में नई पार्टी नाम और सिंबल से चुनाव लड़ेंगे। नंदीग्राम और रेजीनगर पर 6 अक्टूबर को वोटिंग हैं और रिजल्ट 9 अक्टूबर को आएगा।

टीएमसी के दोनों गुट अपने-अपने उम्मीदवार उतार चुके...

पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीटों पर 6 अक्टूबर को उपचुनाव हैं। ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी टीएमसी धड़े से मोहम्मद एतेशामुल हक नंदीग्राम और सफीउद्दीन शेख रेजीनगर से चुनाव लड़ेंगे।

वोट चोरी के बाद अब पार्टी चोरी,ये सिर्फ ममता बनर्जी की लड़ाई नहीं : राहुल गांधी

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के चुनाव चिह्न और नाम के इस्तेमाल पर रोक लगाने के चुनाव आयोग के आदेश की आलोचना की। उन्होंने कहा कि ये लड़ाई सिर्फ ममता बनर्जी की नहीं है। वोट चोरी और सरकार चोरी के बाद अब पार्टी चोरी हो रही है। राहुल गांधी ने शुक्रवार को एक्स पर लिखा...पहले शिवसेना, फिर एनसीपी और अब तृणमूल कांग्रेस। हर बार एक ही पैटर्न... बीजेपी और चुनाव आयोग मिलकर एक पार्टी को तोड़ते हैं। फिर उसका चुनाव चिन्ह छीन लिया जाता है। उन्होंने लिखा... जब पूरी की पूरी पार्टी चोरी हो सकती है, तो करोड़ों भारतीयों के वोट चोरी होना भी हैरानी की बात नहीं। वोट चोरी। सरकार चोरी। अब पार्टी चोरी... ये हमारे लोकतांत्रिक पतन के प्रतीक बन गए हैं।

नंदीग्राम उपचुनाव : शुभेंदु अधिकारी से मुलाकात के बाद ममता गुट की उम्मीदवार संचिता प्रधान नाम वापस लिया

पश्चिम बंगाल की हॉट सीट नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव में एक बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। ममता बनर्जी गुट से तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार संचिता प्रधान दे ने अपना नाम वापस ले लिया है। शुक्रवार को निर्वाचन आयोग द्वारा तृणमूल कांग्रेस का नाम और 'जोड़ा फूल' चुनाव चिह्न फ्रीज किए जाने तथा दोनों गुटों के लिए नए नाम व प्रतीक तय करने के कुछ ही घंटों बाद यह बड़ा उलटफेर हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार,उम्मीदवार संचिता प्रधान ने शुक्रवार को हल्दिया के उप-विभागीय अधिकारी (एसडीओ) के दफ्तर पहुंचकर आधिकारिक तौर पर अपना नामांकन पत्र वापस ले लिया।

नंदीग्राम उपचुनाव : ममता बनर्जी ने किया कांग्रेस को समर्थन का ऐलान

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को नंदीग्राम उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को समर्थन देने की घोषणा की है। यह एलान उनको इसलिए करना पड़ा क्योंकि ममता गुट की अपनी उम्मीदवार संचित प्रधान दे ने इस अहम चुनाव से अपना नाम वापस ले लिया। ममता बनर्जी ने स्पष्ट किया कि उनका गुट नंदीग्राम से अब कोई दूसरा उम्मीदवार नहीं उतारेगा। उन्होंने इस कदम को भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ 'इंडी' गठबंधन (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) के प्रति एकजुटता के रूप में पेश किया है। संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा, हम मजबूती से लड़ने के लिए तैयार हैं।

एचएएल ने वायु सेना को सौंपे एलसीए तेजस मार्क-1 के दो आखिरी ट्रेनर एयरक्राफ्ट

नई दिल्ली, 18 सितम्बर 2026। भारतीय वायु सेना को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने बेंगलुरु में लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस मार्क-1 के दो आखिरी ट्रेनर एयरक्राफ्ट सौंप दिए, जिससे एचएएल को दिए गए पहले ऑर्डर के सभी 40 विमानों की आपूर्ति पूरी हो गई। इसके साथ एचएएल ने वायु सेना को एचटीटी 40 बेसिक ट्रेनर एयरक्राफ्ट और पवन हंस लिमिटेड को ध्रुव नेक्स्ट जेनरेशन (एनजी) हेलीकॉप्टर भी सौंपे। इतिहास रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू की मौजूदगी में शुक्रवार को एचएएल ने लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस के दो ट्विन सीटर ट्रेनर्स वायु सेना को सौंपे। यह एलसीए मार्क-1 ट्रेनर विमान भारतीय वायु सेना के 40 विमानों के पुराने ऑर्डर की अंतिम खेप हैं। वायु सेना ने ये 40 विमान दो चरणों में मार्च, 2006 और दिसंबर,2010 में ऑर्डर किए थे। इनमें से 38 विमान पहले ही वायु सेना को सौंपे जा चुके हैं। अब अंतिम दो ट्विन-सीट ट्रेनर विमानों की डिलीवरी के साथ इस शुरुआती एलसीए मार्क-1 ऑर्डर की आपूर्ति पूरी हो गई। इसके बाद एचएएल पर एलसीए मार्क-1ए की आपूर्ति का दबाव बढ़ गया है। वायु सेना ने एचएएल को दो किश्तों में 180 तेजस मार्क-1 ए लड़ाकू विमान के ऑर्डर दिए हैं। पहला ऑर्डर फरवरी, 2021 में 83 लड़ाकू विमानों के लिए और दूसरा ऑर्डर

पिछले साल सितंबर में 97 विमानों के लिए दिया गया था। एचएएल से दोनों सौदों के तहत वायु सेना को 141 लड़ाकू और 39 ट्रेनर विमान मिलने हैं। लेकिन मिसाइल और रडार इंटीग्रेशन की दिक्कतों के साथ-साथ इंजन की कमी के कारण इसमें देरी हो रही है। एचएएल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक रवि कुमार ने तेजस मार्क-1ए की आपूर्ति में देरी की वजह विमान में मिसाइल और रडार इंटीग्रेशन की दिक्कत और इंजन की कमी को बताया है। उन्होंने कहा कि हमें अगले चार से पांच साल में पूरे एयरक्राफ्ट की आपूर्ति होने की उम्मीद है। इनका उत्पादन बेंगलुरु और नासिक डिवीजन में किया जा रहा है। हम बड़े पैमाने पर प्राइवेट सेक्टर की भागीदारी का इस्तेमाल कर रहे हैं,चाहे वह एलसीए हो,हेलीकॉप्टर हो, या एचटीटी-40 हो। हम इंटीग्रेशन का काम संभालते हैं,जबकि कई नॉन-कोर एक्टिविटी प्राइवेट इंडस्ट्री पार्टनर करते हैं। सीएमडी रवि कुमार ने यह भी कहा कि मिसाइल और रडार इंटीग्रेशन की दिक्कतों की वजह से तेजस मार्क-1ए में देरी हो रही है,लेकिन जल्द ही इसका हल निकलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि 27 एयरफ्रेम बन चुके हैं और हमें 10 इंजन मिल गए हैं, इसलिए हम एयरक्राफ्ट की डिलीवरी शुरू कर पाएंगे। इसी कार्यक्रम में वायु सेना को पहली खेप में तीन एचटीटी 40 बेसिक ट्रेनर एयरक्राफ्ट सौंपे गए हैं।

नौसैन्य जहाज टक्कर मामले में भारत ने पाकिस्तान के आरोपों को सिरे से खारिज किया

नई दिल्ली, 18 सितम्बर 2026। भारत ने अरब सागर में भारतीय युद्धपोत और पाकिस्तानी नौसैनिक जहाज के बीच हुई टक्कर को लेकर पाकिस्तान के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। इसके साथ ही भारत ने पाकिस्तानी सैन्य इकाइयों से भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न होने की चेतावनी भी दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को प्रेस ब्रीफिंग के दौरान पूरे घटनाक्रम पर पाकिस्तान की ओर से आए जवाब पर आज अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का जवाब हमने देखा है। पड़ोसी देश की टालमटोल करने की आदत रही है और हमें इसी तरह के जवाब की उम्मीद थी। हम उसकी ओर से लगाए आरोप को सिरे से खारिज करते हैं। पाकिस्तान का आरोप था कि यह टक्कर पाकिस्तानी विशेष आर्थिक क्षेत्र में भारतीय जहाज की उकसावे वाली और अस्वीकार्य कार्रवाई की वजह से हुई। प्रवक्ता जायसवाल ने एक बार फिर दोहराया कि आईएनएस कोलकाता पश्चिम अरब सागर में एक नियमित तैनाती पर था।

पाकिस्तान : कोहाट जिले की पुलिस लाइंस में धमाका नमाज के वक्त हुआ फिदायीन हमला,16 की मौत

नई दिल्ली, 18 सितम्बर 2026। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहाट जिले में शुक्रवार को पुलिस लाइंस में मौजूद मस्जिद के पास हुए विस्फोट में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई,जबकि 50 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। जियो न्यूज के मुताबिक,यह धमाका पुलिस लाइंस के परिसर में मौजूद मस्जिद के पास हुआ। स्थानीय मीडिया इस हमले को फिदायीन हमला बता रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक,बम धमाके के बाद मस्जिद के बाहर फायरिंग भी की गई है। हालांकि,यह सामने नहीं आया है कि हमला किस आतंकी संगठन की ओर से किया गया।

कोहाट पुलिस लाइंस के गेट से विस्फोटक लदा वाहन टकराया

यह धमाका कोहाट जिले में पुरानी पुलिस लाइन्स के पास स्थित मस्जिद में हुआ,जो खैबर पख्तूनख्वा की राजधानी पेशावर से दक्षिण-पश्चिम में लगभग 60 किलोमीटर दूर है। विस्फोटकों से भरा एक वाहन मस्जिद के गेट से

जा टकराया, जिसके बाद जोरदार धमाका हुआ। इससे मस्जिद के बाहर एक गड्ढा बन गया। पुलिस ने बताया कि घायलों में पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। प्रांतीय पुलिस प्रमुख जुल्फिकार हमीद ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में कोहाट पुलिस लाइंस में शुक्रवार की नमाज के दौरान हुए आत्मघाती धमाके में कम से कम 16 लोग मारे गए, जिनमें पांच पुलिसकर्मी और 11 आम नागरिक शामिल थे। जिला मुख्यालय (डीएचक्यू) अस्पताल के एमएस ताहिर अली शाह ने बताया कि धमाके के बाद अस्पताल में 15 शव लाए गए हैं। इसके अलावा 50 से ज्यादा घायलों को भी अस्पताल लाया गया है। उन्होंने बताया कि विस्फोट के बाद पुलिस लाइंस में अतिरिक्त पुलिस बल की टुकड़ी तैनात की गई। बचाव अधिकारियों ने कहा कि विस्फोट से मस्जिद का बाहरी हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि एक दीवार भी ढह गई। घटना के बाद अधिकारियों ने कोहाट-हंगू रोड को सभी तरह के यातायात के लिए बंद कर दिया है। अस्पताल प्रशासन ने बाद में बताया कि कम से कम 50 घायलों को इलाज के लिए अस्पताल लाया गया है।

अमेरिकी प्रतिबंध कानून के भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर प्रभाव को लेकर अमेरिका से बात की : जायसवाल

नई दिल्ली, 18 सितम्बर 2026। भारत ने अमेरिका के 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट, 2026' के संभावित प्रभावों को लेकर अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ स्तर पर अपनी चिंताएं साझा की हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने स्पष्ट रूप से बताया है कि इस कानून का भारत की ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार और

समग्र भारत-अमेरिका संबंधों पर असर पड़ सकता है। जायसवाल ने शुक्रवार को विदेश मंत्रालय की द्विसाप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में इस कानून से जुड़े सवाल के जवाब में कहा कि भारत पहले ही अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ स्तर पर यह बात रख चुका है कि प्रस्तावित कानून के क्या-क्या प्रभाव हो सकते हैं। उन्होंने कहा,'हमने पहले ही अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ स्तर पर यह बात रखी है कि इस कानून के भारत की ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार और समग्र संबंधों पर क्या प्रभाव पड़ सकते हैं।

संघ प्रमुख ने उज्जैन में किया युवा धर्म संसद 2026 का उद्घाटन,युवाओं को समझाया धर्म का वास्तविक अर्थ

धर्म जीवन का अनुशासन है,प्राण बचाने के लिए भी नहीं करे इसका त्याग : भागवत

उज्जैन, 18 सितम्बर 2026। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा है कि धर्म रिलिजन नहीं है, बल्कि जीवन का अनुशासन है। किसी इच्छा की पूर्ति,भय,लोभ या प्राण बचाने के लिए भी धर्म का त्याग नहीं करना चाहिए। सुख-दुख आते-जाते रहते हैं, लेकिन धर्म नित्य रहता है। सरसंघचालक डॉ. भागवत शुक्रवार को मध्य प्रदेश के उज्जैन प्रवास के दौरान यहां देवास रोड स्थित गीता भवन में आयोजित तीन दिवसीय युवा धर्म संसद के दूसरे उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने दीप प्रज्ज्वलन और वंदे मातरम के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान सरसंघचालक ने युवाओं को धर्म का वास्तविक अर्थ समझाया और जीवन में इसके महत्व पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने अपने उद्बोधन में रिलीजन और धर्म का अंतर बताते हुए स्पष्ट किया कि

रिलीजन का अर्थ धर्म नहीं होता। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी शब्दकोश में धर्म के लिए कोई सटीक शब्द ही नहीं है। रिलीजन शब्द की उत्पत्ति रिलिजियो से हुई है, जो बांधने का संकेत देता है,जबकि धर्म किसी को बांधता नहीं,बल्कि मुक्त करता है। उन्होंने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति इसके कर्मकांड को मिटाना चाहती है, इसलिए इसे रिलीजन का नाम देती है। स्वामी विवेकानंद के विचारों का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि भारत धर्मप्राण देश है। किसी भी नए विचार या जिज्ञासा का समाधान पाने के लिए पहले अपने मन को स्थिर और खाली करना होगा। जब तक पुरानी बातें दिमाग से नहीं हटेंगी, तब तक नया सीखना संभव नहीं है। सरसंघचालक डॉ. भागवत ने कहा कि धर्म को लेकर भ्रम का एक कारण अपनी भाषा और धर्म के वास्तविक अर्थ को भूल जाना है। पश्चिमी देशों के लोगों ने भारत में धर्म के आचरण, उससे जुड़े कर्मकांड और अनुशासन को देखा। उसे अपने यहां के 'रिलिजन' के समान समझ लिया।

संपादकीय

समय की मांग है यूपीआई को सक्षम बनाना

वित्त वर्ष 2025-26 में यूपीआई से 24,162 करोड़ लेनदेन हुए। यानी रोज औसतन 66 करोड़ से अधिक भुगतान। इसकी सेवाएं अब 11 अन्य देशों तक पहुंच चुकी हैं। भारत में बनी यह व्यवस्था हमारी रोजमर्रा की जरूरत बन गई है। अब चुनौती है कि नागरिकों को यह सुविधा मुफ्त मिलती रहे और इसे सुरक्षित एवं भरोसेमंद बनाए रखने के लिए पर्याप्त धन भी उपलब्ध हो। यूपीआई पर सेवा शुल्क की बहस को इसी नजरिये से समझना चाहिए। इस क्रम में सबसे पहले आम लोगों की चिंता दूर करना जरूरी है। नई व्यवस्था में बैंक खाते से होने वाला सामान्य यूपीआई भुगतान ग्राहकों के लिए मुफ्त रहेगा। परिवार या मित्रों को पैसे भेजने पर न भेजने वाले से शुल्क लिया जाएगा और न ही पाने वाले से। मुफ्त उपयोग का कोई मासिक कोटा नहीं है। अधिक रकम भेजने या बार-बार भुगतान करने से शुल्क नहीं लगेगा। सुरक्षा के लिए तय लेनदेन सीमाएं अपनी जगह हैं। दो हजार रुपये की सीमा कुछ दुकानदारों से लिए जाने वाले शुल्क से जुड़ी है। नागरिकों के लिए मुफ्त सुविधा पर कोई सीमा नहीं है।

इसे मीरा की खरीदारी से समझिए। वह एक बड़े दुकानदार से 10,000 रुपये का फ्रिज खरीदती है। दोनों के खाते भारतीय बैंकों में हैं। मीरा का एप भुगतान का निर्देश भेजता है। नेशनल पेमेंट्स कारपोरेशन आफ इंडिया यानी एनपीसीआई इसे बैंकों के बीच पहुंचाता है। एक बैंक मीरा के खाते से पैसे काटता है और दूसरा दुकानदार के खाते में जमा करता है। एप इस पूरी बैंकिंग व्यवस्था की मदद से भुगतान कराता है। डिजिटल भुगतान स्वीकार करने के बदले दुकानदार जो सेवा शुल्क देता है,उसे मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर कहते हैं। यदि मीरा का दुकानदार छूट वाली श्रेणी में नहीं आता,तो 15 अक्टूबर 2026 से इस खरीद पर 0.4 प्रतिशत अर्थात 40 रुपये एमडीआर लगेगा। मीरा के लिए फ्रिज की कीमत 10,000 रुपये ही रहेगी। दुकानदार उसके बिल में एमडीआर नहीं जोड़ सकता और एप भी छिपा हुआ शुल्क नहीं वसूल सकता। इसी श्रेणी में एक लाख रुपये की खरीद पर एमडीआर अधिकतम 300 रुपये होगा। मीरा अपनी मां को 10,000 रुपये भेजे,तो दोनों के लिए शुल्क शून्य रहेगा।

मीरा की खरीद में दुकानदार के 40 रुपये एमडीआर पर 18 प्रतिशत जीएसटी यानी 7.20 रुपये जुड़ेगा। कुल खर्च 47.20 रुपये होगा। पात्र दुकानदार को चुकाए गए इस कर का समायोजन यानी इनपुट टैक्स क्रेडिट भी मिल सकता है। पूरे 10,000 रुपये के भुगतान पर अलग से 18 प्रतिशत कर नहीं लग रहा। मीरा का यूपीआई लेनदेन शुल्क शून्य ही रहेगा। सवाल है कि यूपीआई पर शुल्क क्यों लगाया गया? शुरुआत में प्राथमिकता लोगों को यूपीआई से जोड़ना थी। सरकारी सहायता ने इसमें मदद की। अब हजारों करोड़ लेनदेन संभालने के लिए ज्यादा क्षमता वाले सर्वर,साइबर सुरक्षा,धोखाधड़ी की रोकथाम और ग्राहक सहायता पर खर्च बढ़ा है। इन जरूरतों पर लगभग 20,000 करोड़ रुपये सालाना खर्च होते हैं। इसे जांच-परख कर तय किया गया घाटा समझना गलत होगा। नकदी संभालने का खर्च घटने से होने वाली बचत और दूसरी संबंधित आय भी हिसाब में शामिल होनी चाहिए। फिर भी, बैंकों का मुनाफा या सरकारी सहायता इस संचालन खर्च को समाप्त नहीं करती।

इस बहस का राजनीतिक पक्ष भी है। वित्तीय मामलों की संसदीय स्थायी समिति ने 12 अगस्त को लेनदेन की अलग-अलग श्रेणियों के अनुसार शुल्क से आय जुटाने का समर्थन करने वाली रिपोर्ट स्वीकार की। इनमें कांग्रेस के पांच सांसद भी थे। किसी ने आपत्ति नहीं की। समिति में यूपीआई के लिए नियमित आय का समर्थन करना और बाहर उसे नागरिकों पर बोझ बताना विरोधाभासी है। अमेरिकी दबाव का आरोप भी प्रमाण मांगता है। रिजर्व बैंक ने 17 अगस्त 2022 को ही यूपीआई की लागत वसूली पर चर्चा के लिए दस्तावेज जारी किया था। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि की 2026 की रिपोर्ट भारत की उस प्रस्तावित सीमा पर आपत्ति करती है, जिसके तहत किसी एक गैर-बैंक भुगतान एप की हिस्सेदारी यूपीआई के कुल लेनदेन की संख्या में 30 प्रतिशत से अधिक न हो। यह एप की बाजार हिस्सेदारी की सीमा है, ग्राहकों के भुगतान की नहीं। रिपोर्ट यूपीआई के जरिये उधार आधारित भुगतान पर पाबंदियों का भी विरोध करती है। उसमें भारत द्वारा 0.4 प्रतिशत शुल्क लगाने का कोई वादा दर्ज नहीं है। अमेरिकी आपत्ति से यह साबित नहीं होता कि भारतीय फैसला उसके ही दबाव में हुआ। इसी रिपोर्ट के अनुसार,2025 के अंत में अमेरिकी स्वामित्व वाले दो एप से 80 प्रतिशत से अधिक यूपीआई लेनदेन हो रहे थे। उनका दबदबा शून्य एमडीआर के दौर में बना। किसी एप से ज्यादा भुगतान होने का अर्थ यह नहीं कि शुल्क का सबसे बड़ा हिस्सा भी उसे मिलेगा। उद्योग के शुरुआती अनुमानों में एमडीआर का करीब 60 प्रतिशत बैंकों, 25 प्रतिशत एप कंपनियों और 15 प्रतिशत दुकानदारों को भुगतान स्वीकार करने की सुविधा देने वाली कंपनियों को मिलता है।

मीरा का उपरोक्त ही उदाहरण लें तो उनकी खरीद के 40 रुपये में बैंकों को 24,एप कंपनियों को 10 और अन्य संबंधित कंपनियों को छह रुपये मिलेंगे। यहां ग्राहक और दुकानदार, दोनों के बैंक भारतीय हैं। सबसे बड़ा हिस्सा उन्हीं का होगा। वे भुगतान की जांच, खातों में रकम पहुँचाने और शिकायतें सुलझाने का काम करते हैं। ये हिस्सेदारियां अनुमान हैं, लेकिन अधिकांश शुल्क अमेरिकी एप को मिलने वाले दावे का समर्थन नहीं करतीं। यूपीआई का संचालन भी भारतीय नियामकीय निगरानी में एनपीसीआई ही करता है। दुकानदार यूपीआई की सफलता के साझेदार हैं। उनकी सुविधा का ध्यान रखना जरूरी है। छूट और रियायती दरों के साथ छोटे दुकानदारों के लिए बनने वाला कोष भी मददगार होगा,जिसमें कुल एमडीआर वसूली के पांच प्रतिशत के बराबर राशि दी जाएगी। शुल्क का बंटवारा स्पष्ट हो और समय-समय पर समीक्षा से व्यावहारिक दिक्कतें दूर की जाएं। नागरिकों को मुफ्त भुगतान,छोटे दुकानदारों को संरक्षण और पूरे तंत्र को सुरक्षा के लिए पर्याप्त संसाधन मिलते रहें। इसी से यूपीआई पर लोगों का भरोसा आगे भी मजबूत रहेगा।

विज्ञापन,अखबार और जवाबदेही का सवाल

पैसे के बदले प्रकाशित सामग्री जब समाचार जैसी दिखने लगे,तब सवाल केवल विज्ञापन का नहीं,मीडिया की विश्वसनीयता का बन जाता है...

डॉ.सत्यवान सौरभ
भिवानी,हरियाणा

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

अखबार के प्रथम पृष्ठ पर प्रकाशित हर सामग्री पाठक के मन में एक विशेष विश्वसनीयता पैदा करती है। यही कारण है कि जब किसी विवादित व्यक्ति या संस्था के पक्ष में पूरे पृष्ठ का विज्ञापन प्रकाशित होता है और उसका प्रस्तुतीकरण समाचार या तथ्यात्मक पड़ताल जैसा दिखाई देता है,तो मामला केवल विज्ञापन और भुगतान तक सीमित नहीं रहता। वह मीडिया की विश्वसनीयता,संपादकीय विवेक और सामाजिक जवाबदेही से जुड़ जाता है।

12 सितंबर 2026 को एक समाचार पत्र' के दिल्ली,मोहाली और उत्तर भारत के संस्करणों में ' एक डेरा' से संबंधित एक पूरे पृष्ठ का विज्ञापन प्रकाशित हुआ। इसी तरह का विज्ञापन एक पेपर के दिल्ली संस्करण में भी प्रकाशित होने की रिपोर्ट सामने आई। विज्ञापन का शीर्षक था–'क्या है डेरा? तथ्य बनाम कल्पना'। इसमें डेरा और उसके प्रमुख जो जेल में बन्द ही के पक्ष में कई दावे तथा उनके विरुद्ध चल रहे मामलों को लेकर बचाव का पक्ष प्रस्तुत किया गया था।

विवाद बढ़ने के बाद समाचार पत्र ने 13 सितंबर को अपने प्रथम पृष्ठ पर बिना शर्त माफी प्रकाशित की। अखबार ने विज्ञापन को'आपत्तिजनक' और 'अत्यंत आपत्तिजनक' बताते हुए पाठकों से क्षमा मांगी। 15 सितंबर को अखबार ने यह भी कहा कि वह उस विज्ञापन का बिल नहीं उठाएगा और उससे कोई व्यावसायिक लाभ नहीं लेना चाहता।

यहां से मीडिया की जिम्मेदारी पर एक बड़ा सवाल खड़ा होता है। यदि किसी सामग्री के प्रकाशन के बाद स्वयं प्रकाशक यह स्वीकार करता है कि वह सामग्री गंभीर रूप से आपत्तिजनक थी, तो स्वाभाविक प्रश्न है कि प्रकाशन से पहले उसकी जांच और मूल्यांकन की व्यवस्था कैसी थी? विज्ञापन विभाग और संपादकीय विभाग के बीच संस्थागत दूरी आवश्यक है, लेकिन क्या केवल यह दूरी किसी समाचारपत्र को प्रकाशित सामग्री के सामाजिक प्रभाव से पूरी तरह मुक्त कर देती है?

मुद्दा इसलिए भी गंभीर है क्योंकि विज्ञापन साधारण उत्पाद या सेवा का प्रचार नहीं था। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार इसमें डेरा प्रमुख से जुड़े कानूनी मामलों,उनके विरुद्ध लगाए गए आरोपों और संस्था की सामाजिक गतिविधियों को लेकर पक्ष रखा गया था। विज्ञापन में डेरा की ओर से नशामुक्ति,रक्तदान,वृक्षारोपण और अन्य सामाजिक गतिविधियों से संबंधित आंकड़े भी प्रस्तुत किए गए थे। इन आंकड़ों की स्वतंत्र पुष्टि विज्ञापन में दिखाई नहीं देती थी।

यहां एक महत्वपूर्ण अंतर समझना जरूरी है। किसी व्यक्ति या संस्था को अपना पक्ष रखने का अधिकार है। समाचारपत्रों को विज्ञापन प्रकाशित करने का व्यावसायिक अधिकार भी है। लेकिन विज्ञापन को विज्ञापन के रूप में स्पष्ट रूप से चिह्नित करना और पाठक को यह बताना कि उसके दावे विज्ञापनदाता के हैं, मीडिया संस्थान की जिम्मेदारी का केवल एक हिस्सा है। जब वही सामग्री प्रथम पृष्ठ पर,अखबार के नाम और प्रतिष्ठा के ठीक नीचे,समाचार-जैसे शीर्षकों और आंकड़ों के साथ प्रस्तुत होती है,तब पाठक के मन में उसके प्रभाव का प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है।

विज्ञापन पर अस्वीकरण भी इस विवाद का एक महत्वपूर्ण पक्ष है। संबंधित प्रकाशनों में यह उल्लेख किया गया था कि विज्ञापन की रचनात्मक सामग्री में अखबार की संपादकीय या पत्रकारिता संबंधी भूमिका नहीं है। फिर भी मीडिया विशेषज्ञों के बीच यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या केवल अस्वीकरण पर्याप्त है,विशेषकर तब जब भुगतान की गई सामग्री अत्यंत प्रमुख स्थान पर प्रकाशित हो और उसकी भाषा समाचार जैसी प्रतीत हो।

13 सितंबर को सामने आई तस्वीरों और रिपोर्टों के अनुसार वही विज्ञापन और एक पेपर के प्रथम पृष्ठ पर भी प्रकाशित हुआ। यह तथ्य अपने आप में किसी अखबार की संपादकीय नीति पर अंतिम निष्कर्ष देने के लिए पर्याप्त नहीं है,लेकिन इससे एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक प्रश्न जरूर पैदा होता है–क्या बड़े समाचारपत्रों के पास संवेदनशील विज्ञापनों की स्वीकार्यता तय करने के लिए कोई स्पष्ट नैतिक कसौटी होनी चाहिए?

यह प्रश्न केवल किसी एक-दो समाचार -पत्र का नहीं है। कल कोई अन्य समाचार-पत्र भी ऐसी स्थिति में हो सकता है। यदि मीडिया संस्थान केवल यह कहकर अपनी जिम्मेदारी समाप्त कर दें कि 'यह विज्ञापन था, समाचार नहीं',तो धीरे-धीरे विज्ञापन और समाचार के बीच की रेखा पाठक के लिए धुंधली हो सकती है।

पत्रकारिता की सबसे बड़ी पूंजी उसका पाठक-विश्वास है। विज्ञापन से मिलने वाली आय महत्वपूर्ण है,क्योंकि समाचार-पत्रों के संचालन में आर्थिक संसाधनों की आवश्यकता होती है। लेकिन व्यावसायिक आवश्यकता और सार्वजनिक विश्वसनीयता के बीच संतुलन बनाना भी उतना ही जरूरी है। विशेषकर ऐसे मामलों में,जिनमें न्यायालयों में चले मामलों,गंभीर आरोपों या दंडित व्यक्तियों से जुड़े प्रश्न शामिल हों, विज्ञापन की भाषा और प्रस्तुतीकरण पर अतिरिक्त सावधानी अपेक्षित है।

यहां मीडिया के सामने एक व्यावहारिक रास्ता भी हो सकता है। विवादित या संवेदनशील विज्ञापनों के लिए स्वतंत्र पूर्व-जांच व्यवस्था हो। ऐसे विज्ञापनों को प्रथम पृष्ठ पर प्रकाशित करने के लिए विशेष अनुमति आवश्यक हो। तथ्यात्मक दावों और न्यायिक मामलों से संबंधित सामग्री में स्पष्ट रूप से लिखा जाए कि कौन-सा दावा विज्ञापनदाता का है। यदि किसी व्यक्ति के विरुद्ध न्यायालय का निर्णय मौजूद है, तो विज्ञापन के माध्यम से उस तथ्य को छिपाने या भ्रम पैदा करने की स्थिति न बने। और यदि बाद में कोई गंभीर त्रुटि सामने आती है,तो केवल माफी ही नहीं, बल्कि पाठकों को यह भी बताया जाए कि गलती हुई कैसे।

मीडिया से सवाल पूछना मीडिया-विरोध नहीं है। बल्कि स्वतंत्र पत्रकारिता का अर्थ ही यह है कि सत्ता, सरकार, राजनीतिक दल,कारोबारी संस्थान और स्वयं मीडिया–सभी से जवाबदेही की मांग की जाए। जिस प्रकार पत्रकार सरकार से पारदर्शिता मांगता है,उसी प्रकार पाठक पत्रकारिता संस्थानों से भी पारदर्शिता मांग सकता है।

समाचार-पत्र द्वारा माफी मांगना और विज्ञापन का भुगतान न लेने का निर्णय इस बहस में एक महत्वपूर्ण तथ्य है। लेकिन इससे मूल प्रश्न समाप्त नहीं होता। प्रश्न यह है कि ऐसी सामग्री प्रकाशन की मेज तक पहुंची कैसे और भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न आए, इसके लिए क्या संस्थागत व्यवस्था बनेगी?

आज आवश्यकता किसी एक अखबार को कठघरे में खड़ा करने से अधिक व्यापक मीडिया-आचार पर बहस की है। विज्ञापनदाता को अपनी बात रखने का अधिकार है,लेकिन पाठक को यह जानने का भी उतना ही अधिकार है कि वह समाचार पढ़ रहा है, विचार पढ़ रहा है या भुगतान के बदले प्रकाशित प्रचार सामग्री।

अखबार का प्रथम पृष्ठ केवल कागज का एक पन्ना नहीं होता। वह वर्षों में अर्जित विश्वसनीयता का चेहरा होता है। इसलिए उस पर प्रकाशित हर सामग्री के साथ आर्थिक लाभ के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। धन लेकर सामग्री प्रकाशित करना अपने आप में पत्रकारिता का अपराध नहीं है; प्रश्न यह है कि उस सामग्री की प्रकृति, प्रस्तुति और संभावित प्रभाव के प्रति प्रकाशक कितना जिम्मेदार है।

मीडिया की स्वतंत्रता जरूरी है, विज्ञापन भी जरूरी हैं और संस्थानों का आर्थिक रूप से टिकाऊ रहना भी जरूरी है। लेकिन इन सबसे ऊपर पाठक का विश्वास है। यदि वह विश्वास कमजोर पड़ता है, तो सबसे बड़ा नुकसान किसी एक विज्ञापन का नहीं, पूरी पत्रकारिता की विश्वसनीयता का होता है।

विज्ञापन प्रकाशित हो सकता है, पक्ष रखा जा सकता है, लेकिन पाठक के विश्वास के साथ समझौता नहीं होना चाहिए। यही मीडिया की असली जवाबदेही है।

जब करोड़पति को भिखारी बनने का शौक चढ़े...

संजय एम तराणेकर इन्दौर,मध्य प्रदेश

वाह रे लोकतंत्र! यहाँ कुछ लोग गरीबों की जिंदगी समझने के लिए गरीब बनते हैं, और कुछ गरीब लोग पूरी जिंदगी यह सोचते रह जाते हैं कि आखिर अमीर बनने का अनुभव कैसा होता होगा! करोड़ों के मालिक विधायक भिखारी बने। यह खबर समाचार-पत्रों में पढ़कर तो बड़ा आश्चर्य होता है। गंदे मैले-कुचेले कपड़े पहनकर वे सड़क पर घूमें।अब अगर कोई विधायक महोदय करोड़ों की संपत्ति के मालिक हों और फिर गंदे-मैले कपड़े पहनकर हाथ में झाड़ू और झोला लेकर सड़कों पर निकल पड़ें, तो इसे आप क्या कहेंगे? मेरे हिसाब से इसे साधारण भाषा में 'राजनीतिक वैराग्य' कहा जा सकता है। लगता है विधायक जी ने सोचा होगा-÷महल में रहकर गरीबों की जिंदगी पर भाषण तो बहुत दे दिए, अब क्यों न खुद ही गरीब बनकर देखा जाए! बस फिर क्या था, कपड़े बदले, चेहरा बदला और निकल पड़े गरीबी के लाइव डेमो पर। गरीब आदमी यह दृश्य देखकर शायद सोच रहा होगा... साहब,अभिनय तो आप हमसे भी अच्छा कर लेते हैं,लेकिन एक बात बताइए... ये करोड़ों वाला गरीबी पैकेज हमें भी कब मिलेगा? ज़नाब,सबसे मजेदार बात यह है कि गरीब बनने के लिए भी आजकल बहुत अमीर होना पड़ता है! क्योंकि असली गरीब के पास विकल्प ही नहीं होता-वह मजबूरी में फटे कपड़े पहनता है,और करोड़पति जब वही कपड़े पहनता है तो उसे 'अनुभव' कहा जाता है। गरीब के हाथ में झोला हो तो चिंता,और करोड़पति के हाथ में झोला हो तो वैराग्य! भईये,गरीब सड़क पर घूमे तो व्यवस्था की विफलता,और विधायक सड़क पर घूमे तो जनसेवा का नव प्रयोग! गरीब मदद माँगे तो उसे दुत्कार दिया जाता है,और अमीर मदद करने का अभिनय करे तो कैमरे भी पीछे-पीछे चल पड़ते हैं। लेकिन असली सवाल तो अब भी वहीं खड़ा है-उन अनगिनत करोड़ों का क्या होगा? बाबू साब,अगर सच में वैराग्य प्राप्त हो गया है,अगर सच में गरीबों की जिंदगी का दर्द समझ में आ गया है,अगर सच में समाजसेवा का भाव जाग गया है,तो फिर झोला लेकर घूमने से एक कदम आगे बढ़िए साहब! अपनी संपत्ति का थोड़ा-सा हिस्सा किसी अच्छे ट्रस्ट,अस्पताल, स्कूल या जनकल्याण के काम में लगा दीजिए। तो समझ में आए कि हाँ,भाई विधायक जी ने कुछ किया है। किसी गरीब बच्चे की पढ़ाई हो जाए, किसी जरूरतमंद का इलाज हो जाए, किसी गांव में पानी पहुँच जाए,किसी पुल-पुलिया का निर्माण हो जाए तो बेचारे नदी-नाला पार करते-करते जो पैर कीचड़ में सन रहे हैं उनका भी भला हो जाए। तो शायद गरीब को देखकर झाड़ू लगाने से ज्यादा बड़ा पुण्य मिल जाए। क्योंकि गरीबी पहन लेने से गरीब की जिंदगी नहीं समझ आती, गरीबी हटाने की कोशिश करने से जरूर समझ आती है। और हाँ,अगर कभी फिर भिखारी बनकर निकलें तो अपने साथ एक कटोरा जरूर रखिएगा...करोड़ों वाले भिखारी के कटोरे में आखिर जनता कितने पैसे डालती है, यह भी देखने और समझने वाली बात होगी।

जिंदगी के इस सफ़र में कोई मंजिल है ही नहीं...

जिंदगी वाक़ई एक ऐसा अनसुना सफ़र है,जिसका न कोई तयशुदा नक्शा है और न ही यह मालूम है कि यह किस मोड़ पर थम जाएगी।

डॉ. मुश्ताक अहमद
हरदा,मध्यप्रदेश

जिंदगी महज़ सांसों के आने-जाने का नाम नहीं, यह एक ऐसा मुसलसल सफ़र है जिसका कोई आगाज़ तो है, मगर अंजाम किसी को मालूम नहीं। हम सब एक ऐसी राह के मुसाफिर हैं,जहाँ हर नया क़दम एक नया इम्तहान और हर मोड़ एक अनसुनी दास्तान बन कर सामने आता है। अक्सर हम उम्र भर किसी मंजिल की तलाश में भागते रहते हैं,यह सोचते हुए कि शायद किसी मक़ाम पर पहुँच कर यह तलाश ख़त्म हो जाएगी। मगर सच तो यह है कि इस सफ़र में कोई मंज़िल है ही नहीं। जिंदगी खुद अपने आप में एक मु मुकम्मल मंजिल है। अगर ठहरना ही सब कुछ होता, तो रास्ते कभी बनाए ही न जाते। असल ख़ूबसूरती तो इस बात में है कि मुसाफिर चलते रहना सीख ले, फ़िर चाहे राह कितनी भी पुर-पेच (उलझन भरी) क्यों न हो।

कहाँ,कब और कैसे यह सफ़र तमाम (खत्म) होगा,इसका इल्म तो बस वक्त के मुहाफ़िज़ को ही है। हमारे इख्तियार में सिर्फ़ इतना है कि हम इस बे-नाम सफ़र को किस शिद्दत,किस मोहब्बत और किस सुकून से गुज़ारते हैं। अंधेरों से डर कर रुक जाने के बजाए, हर क़दम पर रौशनी की तलाश करना ही इस सफ़र का असली हुनर है।

सफ़र जारी रखो कि मंजिल खुद
ब खुद रास्तों में ढल जाएगी,
जो ठहर गए वो थक गए,
जो चल दिए वो अमर हुए।

अंततः,यह मुसाफ़िरत ही हमारी पहचान है।मंजिल की फिक्र छोड़कर,इस हसीन सफ़र के हर लम्हे को जीना ही जिंदगी का असल फ़लसफ़ा है।

नैतिकता और संवेदना का सौंदर्यबोध : साहित्य जीवन के सत्य का सार

संजीव ठाकुर,रायपुर, छत्तीसगढ़

आज का युग विज्ञान,तकनीक,संचार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का युग है। मनुष्य ने ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में विकास के अनेक शिखर छू लिए हैं। उसकी उंगलियों पर पूरी दुनिया की सूचनाएँ उपलब्ध हैं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने सोचने, सीखने और काम करने की अनेक प्रक्रियाओं को नई दिशा दी है। लेकिन इस अभूतपूर्व विकास के बीच एक प्रश्न लगातार हमारे सामने खड़ा है क्या तकनीकी रूप से विकसित होता मनुष्य नैतिक और संवेदनशील रूप से भी उतना ही समृद्ध हो रहा है? यदि मनुष्य के भीतर से करुणा,सत्य,न्याय,सहिष्णुता और उत्तरदायित्व जैसे नैतिक मूल्य धीरे-धीरे समाप्त होने लगें, तो विज्ञान और तकनीक का यही विकास मानव कल्याण के बजाय विनाश का कारण बन सकता है। ऐसे समय में साहित्य समाज को उसकी मानवीय जड़ों से जोड़ने वाला सबसे प्रभावी माध्यम बनकर सामने आता है।

साहित्य केवल शब्दों का विन्यास नहीं,बल्कि जीवन के अनुभवों,संघर्षों, सपनों,संवेदनाओं और सत्य का कलात्मक अभिव्यक्त रूप है। मुंशी प्रेमचंद ने साहित्य के संबंध में उच्च चिंतन,स्वतंत्रता का भाव,सौंदर्य का सार और जीवन की सच्चाइयों के प्रकाश की बात कही थी। प्रेमचंद का साहित्य इस दृष्टि का जीवंत उदाहरण है। उनकी रचनाओं में किसान, मजदूर,स्त्री,गरीब,शोषित और उपेक्षित मनुष्य केवल पात्र नहीं हैं,बल्कि अपने समय की सामाजिक सच्चाइयों के प्रतिनिधि हैं। 'गोदान' का होरी हो या 'कफन' के घीसू-माधव–इन पात्रों के माध्यम से प्रेमचंद ने समाज की उस वास्तविकता को सामने रखा, जिसे केवल आंकड़ों से नहीं समझा जा सकता। साहित्य मनुष्य को दूसरे मनुष्य के जीवन में प्रवेश करने की संवेदना देता है।

रवीन्द्रनाथ ठाकुर की साहित्य-दृष्टि में भी मनुष्य और उसकी मानवता का विशेष स्थान रहा। मनुष्य की वास्तविक शक्ति केवल उसकी बुद्धि, संपत्ति या बाहरी उपलब्धियों में नहीं,बल्कि उसकी मानवीय चेतना में निहित है। साहित्य इसी चेतना को जागृत करता है। वह हमें यह सिखाता है कि दूसरे के आँसू केवल दूसरे के नहीं होते,किसी अनजान व्यक्ति का दुःख भी हमारी संवेदना को स्पर्श कर सकता है और किसी अपरिचित के संघर्ष में भी हम अपने जीवन की छाया देख सकते हैं। यही संवेदना साहित्य के सौंदर्यबोध को जन्म देती है। सुंदर वही साहित्य नहीं जो शब्दों में मधुर हो; सुंदर वह भी है जो मनुष्य के भीतर करुणा, विवेक और मनुष्यता का प्रकाश जगा दे।

मच्छरों के सामने हम सब नतमस्तक हैं...

आत्माराम यादव
नर्मदापुरम,
मध्यप्रदेश

साला एक मच्छर आदमी को हिजड़ा बना देता है,फिल्म कलाकार नाना पाटेकर के इस डायलाग ने दुनिया के सामने मच्छर को महिमामंडित किया तब मच्छरों के आतंक से पीड़ित आम से लेकर हर ख़ास व्यक्तियों की और मेरा ध्यान गया। जो डर गया सो मर गया , गब्बरसिंह का डायलाग कमाई का महामंत्र बन गया जिसे धूर्त पूंजीपतियों के लिए अष्ट सिद्धियों और नवनिधि देने वाला वरदान साबित हुआ, बस क्या था मौत का डर दिखाया व्यापारियों के यहाँ रूपये के बादल फटने लगे और उनकी तिजोरियां में बाढ़ आ गई। व्यापारियों के सारे आविष्कार मच्छरमार उत्पादों से धन के अम्बार खदान खड़ा करने में लग गया लेकिन जो अहिंसा के पक्ष में थे वे इनके ग्राहक नही बन सके तो इनके लिए मच्छरदानी आ गई। मच्छरमार का दावा करने वाले कभी नहीं चाहते थे की मच्छरों के वंश का नाश हो, वे जानते थे की अगर मच्छर सच में मर गए तो उनकी तो फेक्टरी बंद हो जायगी इस लिए फेक्टरी चलाने के लिए वे मच्छरों को पालने का भी काम करते थे या कहिये वे मच्छरों का भी बहुत भारी तादात में उत्पादन करने लगे थे। देखा जाए तो मच्छरों के काटने से हुई मोतों और हुए खर्च के एक मोटे आकडे आपके कान खड़े कर देंगे जिसमें वर्ष 2022 तक पूरी दुनिया में 25 करोड़ से अधिक लोग मच्छरों के काटने से मलेरिया- डेंगू, चिकनगुरिया और जीका नामक बीमारी के शिकार हुए और 70 लाख लोग मच्छरों के काटने से यमलोक पहुचे। जैसे दुनिया में आदमी जात-बिरादरी में बंटा हुआ है वैसे जी दुनिया भर के प्राणी विशेषज्ञों ने धरती के कोने-कोने से मच्छरों का तलाश की तो वे आश्चर्यचकित थे कि मच्छरों की 3000 प्रजाति है जिसमें लगभग 100 प्रजाति के मच्छर आदमी के लिए घातक और जानलेवा है जिनके काटे का इलाज नहीं, बस ये 100 प्रजाति को हम और आप नहीं जानते, पर इनका भय दिखाकर सरकारों ने स्वास्थ्य विभाग में मलेरिया विभाग खोलकर सरकारी खजाने खोल दिए जिसमें करोड़ों लोगों की जांचे के बाद हजारों को पीड़ित बताकर इलाज का पहिया चला रखा है।

मच्छरों पर सरकारों के खर्च देखें तो अकेले भारत के 780 जिलों में मलेरिया विभाग, नगरपालिकाए, नगरनिगम और नगर ङ्क ग्राम पंचायते लगभग 80,000 करोड़ सालाना खर्च करती है और दुनिया भर के सभी देशों में मच्छरों से बचाव के लिए किये जाने वाले खर्च की राशि 1000 लाख करोड़ के लगभग हो सकती है। मच्छर के इन तमाम बजट की राशि अकेले भारत के सांसदों- विधायकों की एक साल पेंशन के बराबर आंकी गई है, सरकारें मच्छरों से बचाव का वजट कम करने की बजाय हर साल बढ़ाती है ठीक उसी प्रकार जैसे सांसद और विधायकों की पेशन और सुविधाए बढ़ती है, मच्छर आदमियों में भेदभाव किये बिना सबका खून पीना पसंद करता है वैसे ही भारत के संविधान का गला दबाकर देश की जनता का खून पीने का काम सांसद और विधायकों की पेंशन कर रही है। सरकारों ने मच्छरों के सामने घुटने टेक दिए है और उनका मच्छरों पर हर साल किये जाने वाला खर्च अधिकारीयों-नेताओं के कमीशन में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ने लगा है परिणाम स्वरूप सरकारे मच्छरों के मारने के लिए जो भी कीटनाशक प्रयोग कर रही है,उससे मच्छर मरने की बजाय कुछ समय के लिए मुर्छित हो जाता है ठीक वैसे ही जैसे दो पैग पीने वाला चार पैग लेकर होश में रहते बेहोशी की खुमारी में चला जाता है।

पांच साल की सांसदी-विधायकी या मंत्री के रहते सात पुश्तों के लिए जोड़ने का मोहरूपी बिच्छु नेताओं की सदन में ली गई निष्ठां और ईमानदारी को ऐसा डंक मारता है अच्छा ख़ासा आदर्शवादी सदाचारी नेता कदाचरण का मास्टर हो जाता है और फिर वह बेईमानी भी ईमानदारी से करता है और भ्रष्टाचार के हर अवसर पर चौका लगाने से नहीं चुकते। बात मच्छरों की चल रही है तो मच्छरों के सामने ताली न बजानी पड़े ये अधिकांश नेता अनेक पूंजीपतियो को गोद लेते है ताकि उनके द्वारा मच्छरों से बचाव के लिए आलआउट जैसे उत्पादों ङ्क रासायनिक सामग्री और अगरबत्तियो के प्रयोग के देश के शत प्रतिशत लोग करने को विवश हो जाए। बात मच्छरों की चल रही है तो मच्छरों के सामने ताली न बजानी पड़े ये अधिकांश नेता अनेक पूंजीपतियो को गोद लेते है ताकि उनके द्वारा मच्छरों से 100 प्रतिशत बचाव के दावे के नाम पर हर महीने अरबों रूपये के मच्छरमार केमिकल्स,

अगरबत्तीया जलाने के बाद भी मच्छर भिनभिनाता हुआ आपकी नींद ख़राब कर देता है. आप पैसों से भी लुटे मच्छर के सामने आपकी, सरकारों की सारी तैयारी रखी की रखी रह जाती है, मच्छर रोज जीत रहा है और हमारी सरकारें और हम रोज मच्छर से हार रहे है,तालिया बजाकर खुद को हिजड़े का माफिक बनाकर मच्छरों को भगाने और मारने का भरपूर प्रयत्न कर रहे है किन्तु मच्छर अपने को अमेरिका का राष्ट्रपति डोनाल्ट ट्रंप साबित करते हुए दुनियाभर के देशों की हमें हराने की तैयारी पर अरबों रूपये खर्च करने के बाद भी पानी फेर देता है। हम सब हार चुके है और मच्छर विश्वविजेता बना हुआ है।

विश्वविजेता का रुतवा हासिल करने वाला यह मच्छर किसी दुबले पतले बीमार को ही आँख दिखाता हो ऐसा नहीं, यह मच्छर जिसे जेड सुरक्षा मिली हो, जो दुनिया के किसी भी राष्ट्र का प्रमुख हो, सेना का प्रमुख हो,कितना भी बड़ा पहलवान या तीसमार खान हो या डीलडौल में पर्वताकार हो,इन्हें भी अन्यों के तरह भिनभिनाता,गीत गाता हुआ आएगा और डंक मारकर भगोड़े की तरह भागेगा नहीं,बल्कि उसके आसपास ही मंडराकर उसकी मर्दानगी को चुनौती देता रहता है। वे लोग जो आलआउट केमिकल्स की गंध से या अगरबत्ती के धुएं से मच्छरों के पास नहीं फटकने का दावा करते है, यह मच्छर तमाम गंधों को सूँघता आता है और आपके मजा चखा कर इत्मीनान से लौट जाता है। आदमी एक मच्छर को काबू में नहीं रखकर हैरान-परेशान रह जाता है। अमीर-गरीब, बड़ा-छोटा, औरत-मर्द कोई भी आज तक मच्छर के हमले से सुरक्षित नही रह सका है। यहाँ तक कि आदमी के पास रहनेवाले जानवर गाय- भैस, भेड़-बकरी या पालतू ङ्कफालतू कुत्ता हो कोई भी मच्छर के जुल्म-सितम का नहीं बच सका है।

इधर सारे टेलीविजन चैनलों पर मच्छरों का दुश्मन बताकर आपको यकीन दिलाने आपकी मनपसंद विश्वसुन्दरी हेरोइन और हीरो से प्रचार कराया जाता है और आप उनकी बातों पर विश्वास कर मच्छर को अपना शत्रु मान लेते हो। हाल ही में एक महाराज के प्रवचन सुने वे यकीं दिला रहे थे की मच्छर शत्रु नहीं मित्र है और उन्हें मच्छर की जीवन पसंद है जो किसी ध्यानी योगी की तरह दिन भर अकेला रहता है और रात होते ही भगवान के भजन गाने और सुनाने के लिए इंसानों को भक्ति हेतु आगाह करता है। मच्छर हर सोते हुए व्यक्ति से नाराज रहता है और उसके कान में जाकर कहता है, भाई उठो जागने का समय है, बेफिक्र होकर सोएंगे तो भगवान का भजन कब करोगे। किन्तु आदमी अपने बाप की नहीं मानता है तो बेचारे मच्छर की अच्छी सलाह क्या मानेगा? तब मच्छर उन लोगों को जो उसकी बात की अनसुनी करता है उन्हें गुस्से में आकर उसके मुँह और हाथ-पाँव पर काट खाता है। इधर सुबह मच्छर के गुस्से के शिकार हुए व्यक्ति गरीब मच्छर को गालियां बकते है की रात भर सोने नहीं दिया,जबकि इस झूठे आदमी से पूछें की कितने मिनट जागे थे जो सारी रात जागने की शिकायत कर रहे हो। कुछ कर्ण जैसे महावीर इन्सान भी होते है जो गुरु परसुराम को अपनी जंघा पर सिर रखकर आराम कराते है तब एक कीड़े के काटने पर रक्तकी धारा की परवाह नहीं करते,वैसे इंसाफपसंद लोग कभी शिकायत नहीं करते की मच्छर ने उनके नाक कान गला या पाँव का खून पी लिया, उलटे वे मच्छर की प्रसंशा करेंगे की काटने धोड़ी मच्छर तो पाँव चूमने गाल चूमने आया था, वो तो मैं ही आगे पीछे हो गया जिससे मेरी गलती से उसका डंक लग गया ,इसमें विचारे मच्छर का क्या कसूर है। पर हर आदमी इतना मजबूत नहीं होता,सुबह से शाम तक नकली रासायनिक भोज्य ग्रहण करना, वाणी से रोज हजार झूठ बोलना, चेष्टा से न चाहते आदतन अपराध करना लोगों की दिनचर्या बन गई है, फिर मच्छर को दोष देने से क्या मिलेगा, यह एक प्रवचन की सीख है।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

सम्पादक

रसूलपुर हत्याकांड में चौथा आरोपी पलामू से गिरफ्तार

ससुर पर चाकू से हमला कर हत्या के मामले में पुलिस की कार्रवाई...आरोपी के कब्जे से देसी पिस्टल,चाकू और 6 जिंदा कारतूस बरामद

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

रसूलपुर में मकान किराए पर लेने के बहाने घर में घुसकर वसीरुद्दीन सिद्दीकी पर जानलेवा हमला करने और इलाज के दौरान उनकी मौत के मामले में पुलिस ने चौथे आरोपी को झारखंड के पलामू से गिरफ्तार किया है। कोतवाली और साइबर सेल की टीम ने आरोपी अवकाश साव उर्फ आकाश गुप्ता (25), निवासी खुटार खुर्द,थाना चैनपुर,जिला पलामू,झारखंड को हिरासत में लिया।

पुलिस के मुताबिक आरोपी की निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल एक देसी पिस्टल,एक नया चाकू,छह जिंदा कारतूस और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। मामले में पुलिस तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज चुकी है। अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

किराए का मकान देखने के बहाने पहुंचे थे : पुलिस के अनुसार 16 सितंबर की सुबह करीब 10.15 बजे रसूलपुर में तीन व्यक्ति किराए का मकान देखने के बहाने सादिया शारीन सिद्दीकी के घर पहुंचे थे। वहां उन्होंने सादिया के पिता वसीरुद्दीन सिद्दीकी से मकान को लेकर बातचीत की। इसी दौरान आरोपियों ने कथित तौर पर एकजुट होकर चाकू से वसीरुद्दीन पर गंभीर हमला कर दिया। घायल वसीरुद्दीन को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

तलाक के विवाद में धमकी का भी जिक्र : रिपोर्ट के अनुसार सादिया शारीन सिद्दीकी का अपने पति मो. नाजिम शबा के साथ तलाक का मामला न्यायालय में चल रहा था। पुलिस को दी गई रिपोर्ट में पूर्व में पति द्वारा केस वापस नहीं लेने पर सादिया और उसके मायके वालों को जान से मारने की धमकी दिए जाने की बात भी बताई गई थी। मामले में कोतवाली थाने में अपराध क्रमांक 647/26 दर्ज किया गया था। प्रारंभ में धारा 109(1), 3(5) बीएनएस और आर्म्स एक्ट की धारा 25, 27 के तहत अपराध दर्ज किया गया। विवेचना के दौरान धारा 103(1), 61(2) और 238 बीएनएस भी जोड़ी गई।

इनकी रही महत्वपूर्ण भूमिका: कार्रवाई में कोतवाली थाना प्रभारी उप निरीक्षक अखिलेश सिंह, एएसआई अदीप प्रताप सिंह, एएसआई विवेक पाण्डेय,एएसआई देवनारायण यादव,प्रधान आरक्षक सुरजीत कोरी,प्रधान आरक्षक सतीश सिंह,सियाराम मरावी,प्रधान आरक्षक सदरक लकड़ा,आरक्षक विवेक राय, नितिन सिन्हा,शिवमांगल सिंह,कुश सोनी और नगर सैनिक दशरथ राजवाड़े की भूमिका रही।

तीन आरोपी पहले ही गिरफ्तार

घटना की सूचना मिलते ही डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रितेश चौधरी और नगर पुलिस अधीक्षक राहुल बंसल के नेतृत्व में पुलिस टीम और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के साथ जिले के सभी सीमावर्ती रास्तों पर नाकेबंदी कर तलाशी अभियान चलाया गया। इसी कार्रवाई में पुलिस ने नाजिम शबा, कंचन कुमार और नेजारूउद्दीन उर्फ गुड्डू को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा था।

झारखंड पहुंची पुलिस टीम,निशानदेही पर हथियार बरामद

अन्य आरोपियों की तलाश के दौरान पुलिस को अवकाश साव उर्फ आकाश गुप्ता के पलामू में होने की जानकारी मिली। टीम ने चैनपुर पहुंचकर उसे हिरासत में लिया। पूछताछ में पुलिस के अनुसार आरोपी ने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर घटना में शामिल होना स्वीकार किया। उसकी निशानदेही पर देसी पिस्टल, नया चाकू, छह जिंदा कारतूस और मोबाइल बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने घटना के समय पहने कपड़े रास्ते में फेंकने की बात कही, लेकिन उन्हें कहां फेंका गया, इसकी जानकारी नहीं दी। मामले में अन्य फरार आरोपियों की तलाश के साथ आगे की विवेचना जारी है।

केशवपुर में स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर शुरू,141 बच्चे ले रहे प्रशिक्षण

तीन दिन तक सीखेंगे प्राथमिक उपचार,गांठ-बंधन,अनुशासन और नेतृत्व के गुर

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय केशवपुर में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ सरगुजा के तत्वावधान में तीन दिवसीय प्रथम सोपान प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। 18 से 20 सितंबर तक चलने वाले शिविर में विद्यालय के 141 स्काउट्स एवं गाइड्स हिस्सा ले रहे हैं। शिविर का आयोजन जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश झा के मार्गदर्शन तथा विद्यालय की प्राचार्य शशि असाटी के निर्देशन में किया जा रहा है। उद्घाटन अवसर पर जिला संगठन आयुक्त योगेश विश्वकर्मा, संकुल समन्वयक विश्वजीत पाठक,वरिष्ठ व्याख्याता अनिल त्रिपाठी,शिविर संचालक सतीश भाई पटेल,सहायक शिविर संचालक निशा,क्वार्टर मास्टर स्वेच्छा केसरी सहित प्रशिक्षक एवं वरिष्ठ रोवर-रेंजर्स उपस्थित रहे। शिविर में बच्चों को स्काउट नियम, प्रतिज्ञा,ध्वज, ध्वज गीत और स्काउटिंग के मूल सिद्धांतों की जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा प्राथमिक उपचार,गांठ एवं बंधन,अनुशासन तथा विभिन्न स्काउटिंग गतिविधियों का व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। रचनात्मक गतिविधियों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे,जिसमें बच्चे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रशिक्षण का उद्देश्य बच्चों में

अनुशासन,आत्मनिर्भरता,सहयोग, नेतृत्व क्षमता,सेवा भावना और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। प्राचार्य शशि असाटी ने कहा कि स्काउटिंग बच्चों में अनुशासन, सेवा भावना, नेतृत्व और आत्मविश्वास विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने बच्चों से शिविर की सभी गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेने का आह्वान किया। शिविर का समापन 20 सितंबर को होगा।

मोदी के जन्मदिन पर अधिवक्ताओं ने जलाया 'आशीर्वाद का दीया'

भाजपा विधि प्रकोष्ठ ने स्टेडियम गेट पर किया आयोजन,राष्ट्र की समृद्धि और प्रधानमंत्री के दीर्घायु जीवन की कामना

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

भाजपा विधि प्रकोष्ठ, जिला सरगुजा की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर स्थानीय स्टेडियम के मुख्य द्वार पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विधि प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों और अधिवक्ताओं ने'आशीर्वाद का दीया' प्रज्वलित कर राष्ट्र की समृद्धि तथा प्रधानमंत्री के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। कार्यक्रम में विधि प्रकोष्ठ के जिला संयोजक जन्मेजय पाण्डेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सार्वजनिक जीवन राष्ट्रसेवा और जनकल्याण के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक की उनकी राजनीतिक यात्रा में सुशासन, विकास और राष्ट्रहित से जुड़े मुद्दे प्रमुख रहे हैं। गौरतलब है कि नरेंद्र मोदी ने 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी और 2025 में उन्होंने सरकार के प्रमुख के रूप में 25वें वर्ष में प्रवेश किया था।

370 से न्यायिक कानूनों तक फैसलों का किया उल्लेख : कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ताओं विद्यानंद मिश्रा,अशोक दुबे,मनीष सिंह,विनोद दुबे और धनंजय मिश्रा ने भी विचार रखे। वक्ताओं ने मोदी सरकार के कार्यकाल में लिए गए विभिन्न निर्णयों का उल्लेख किया। इनमें अनुच्छेद 370 में बदलाव,अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, भारतीय न्याय संहिता,भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम जैसे नए आपराधिक कानूनों के लागू होने तथा डिजिटल तकनीक के विस्तार का जिक्र किया गया। वक्ताओं ने कहा कि केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का प्रयास किया गया है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने प्रधानमंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं भी दीं।

दीया राष्ट्रसेवा के संकल्प का प्रतीक

कार्यक्रम के समापन पर आभार प्रदर्शन करते हुए अधिवक्ता पीयूष कुमार त्रिपाठी ने कहा कि प्रधानमंत्री का सार्वजनिक जीवन अधिवक्ताओं और न्याय जगत से जुड़े लोगों के लिए प्रेरणा का विषय है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में प्रज्वलित किया गया प्रत्येक दीप राष्ट्रसेवा के प्रति संकल्प का प्रतीक है। इस अवसर पर बलराम सोनी,संजीव सेठ,श्यामलाल गुप्ता, संपूर्णांक गुप्ता,आशा तिवारी,विद्याभूषण श्रीवास्तव,नीलम केशरवानी,अरविंद कनौजिया,अश्वनी पाण्डेय,अनिल सिन्हा, विवेक पाण्डेय,अपूर्वा विश्वकर्मा,सुरेंद्र पाण्डेय,ज्योति मंडल,संदीप तिवारी,साक्षी सिंह, के.एन. त्रिपाठी,राजू गुप्ता,राकेश कुमार, संगीता ध्रुवे,सोनू सोनी,वीरेंद्र सिंह और कृष्णा विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता एवं नागरिक मौजूद रहे।

जवाहर नवोदय विद्यालय में आदर्श युवा ग्राम सभा,विद्यार्थियों ने समझी लोकतंत्र की जमीनी प्रक्रिया

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय खलीबा में शुक्रवार को आदर्श युवा ग्राम सभा का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा 9वीं एवं 10वीं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को ग्राम सभा की कार्यप्रणाली, लोकतांत्रिक मूल्यों,नेतृत्व क्षमता, निर्णय लेने की योग्यता तथा सामाजिक एवं नागरिक जिम्मेदारियों से परिचित कराना रहा। विद्यार्थियों ने ग्राम सभा की प्रक्रिया को समझते हुए विभिन्न विषयों पर चर्चा एवं सहभागिता की। आयोजन श्री डी.के. शुक्ला के नेतृत्व में श्री राजेश कुमार,श्रीमती ओलिमा कंचन लता एवं श्री एस.के. सुमन के सहयोग से तथा प्राचार्य श्री राजू दुबे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। आदर्श युवा ग्राम सभा के माध्यम से विद्यार्थियों को लोकतंत्र की जमीनी प्रक्रिया को समझने और जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में व्यावहारिक सीख मिली।

गणेश प्रतिमा विसर्जन दौरान टूटी पुलिया से 20 फीट नीचे गिरे वृद्ध की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान पुलिया के नीचे गिरने से वृद्ध की मौत इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हो गई। जानकारी के अनुसार कोरिया जिला के सोनहत थाना अंतर्गत ग्राम नटवाही निवासी मेहीलाल (65) भी अन्य 17 सितंबर को अन्य लोगों के साथ गणेश प्रतिमा विसर्जन करने जा रहा था। बताया जा रहा है कि मेहीलाल का पैर फिसल गया और पुलिया के नीचे गिर गया। 20 फिट खाई में गिरने से वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे इलाज के लिए सोनहत अस्पताल ले गए। यहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने उसे बैकुंठपुर जिला अस्पताल से रेफर करने पर अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां उसकी मौत हो गई।

मुख्यमंत्री के दौरे से पहले व्हीआईपी रोड से मवेशी हटाएं मवेशी,एसएसपी ने नगर निगम को लिखा पत्र

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रस्तावित अंबिकापुर दौरे से एक दिन पहले वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने नगर पालिक निगम के आयुक्त को पत्र लिखकर व्हीआईपी रूट से आवारा पशुओं को हटाने की व्यवस्था करने को कहा है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से 18 सितंबर को नगर पालिक निगम के आयुक्त को संबोधित पत्र में लिखा गया है कि,19 सितम्बर,शनिवार को विष्णुदेव साय, मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन का अंबिकापुर प्रवास कार्यक्रम प्रस्तावित है। व्हीआईपी सुरक्षा के दृष्टिगत वीआईपी रूट से पशुओं को हटवाने हेतु आवश्यक कार्रवाई की जाए। बता दें कि अंबिकापुर शहर के व्हीआईपी रोड सहित सभी मुख्य सडक़ों पर पालतू मवेशियों का जमावड़ा लगातार हादसों का कारण बन रहा है।

म्यूल अकाउंट से साइबर ठगी की रकम का खेल,फरार आरोपी गिरफ्तार

पहले 3 आरोपी पकड़े जा चुके,अब आयुष सिन्हा उर्फ दीप सिन्हा पर कार्रवाई...बैंक खाते,एटीएम और सिम कमीशन पर देने का आरोप...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

साइबर ठगी और ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी के लिए बैंक खातों का इस्तेमाल करने वाले म्यूल अकाउंट मामले में कोतवाली पुलिस और साइबर सेल ने एक और फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान आयुष सिन्हा उर्फ दीप सिन्हा (32),निवासी सत्तीपारा,नेहरू वार्ड,शिव मंदिर के पास,अंबिकापुर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया है। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के समन्वय पोर्टल से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने म्यूल बैंक खातों की जांच शुरू की थी। बिहार,गुजरात,महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश से दर्ज साइबर अपराध की शिकायतों में संबंधित बैंक खातों में

संदिग्ध ट्रांजेक्शन सामने आए थे। जांच में बैंक ऑफ महाराष्ट्र में सूरज यादव के नाम से संचालित खाते में धोखाधड़ी से जुड़ी रकम का लेन-देन पाया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि फर्जी सिम कार्ड के जरिए खाता प्राप्त किया गया था।

निजी काम का झांसा देकर खाते-एटीएम लेते थे : पुलिस के अनुसार आरोपियों ने आम लोगों को निजी काम का झांसा देकर उनके बैंक खाते, एटीएम, चेकबुक और सिम कार्ड हासिल किए। इसके बाद इन्हें कमीशन पर ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी और वित्तीय धोखाधड़ी के लिए उपलब्ध कराया जाता था। पुलिस का कहना है कि बैंक खाते होल्ड होने के बाद आरोपियों ने साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से पासबुक, एटीएम और अन्य दस्तावेज तक जला दिए थे।

पहले सूरज,मुकेश और अमित पकड़े गए...

इस मामले में पुलिस पहले सूरज यादव,मुकेश त्रिपाठी और अमित मिश्रा उर्फ पहलू को गिरफ्तार कर चुकी है। इनके खिलाफ थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 493/25 दर्ज है। पुलिस ने धारा 419, 420 भादवि तथा धारा 238, 61(2), 111(2) बीएनएस के तहत कार्रवाई करते हुए अभियोग पत्र न्यायालय में पेश कर दिया है।

पूछताछ में गोलमोल जवाब,साक्ष्य छिपाने का आरोप

डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल के निर्देशन में फरार आरोपियों की तलाश की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम ने आयुष सिन्हा उर्फ दीप सिन्हा को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने घटना के संबंध में गोलमोल जवाब दिए और विवेचना में सहयोग नहीं किया। साक्ष्य छिपाने के प्रयास के आरोप में उसके खिलाफ पर्याप्त सबूत मिलने पर उसे गिरफ्तार किया गया। मामले में जुड़े अन्य आरोपियों की भूमिका को लेकर पुलिस की जांच जारी है।

पति की हत्या का आरोपी महिला बंदी की इलाज के दौरान मौत

सेंट्रल जेल में निरुद्ध मथुरा यादव की मेडिकल कॉलेज अस्पताल के एमआईसीयू में बिगड़ी तबीयत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले के डेडरी गांव में हुए पन्ना राठिया हत्याकांड की विचाराधीन महिला बंदी मथुरा यादव (55) की मेडिकल कॉलेज संबद्ध अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। वह हत्या के मामले में सेंट्रल जेल अंबिकापुर में निरुद्ध थी। तबीयत बिगडऩे पर उसे 17 सितंबर को एमआईसीयू में भर्ती कराया गया था, जहां रात करीब 8 बजे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जेल अधीक्षक अक्षय सिंह राजपूत ने बताया कि मथुरा यादव को 19 फरवरी 2026 को केंद्रीय जेल में दाखिल किया गया था। 16 सितंबर को तबीयत खराब होने पर उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल की ओपीडी में लाया गया था। ब्लड टेस्ट की सलाह के बाद उसे जेल वापस भेज दिया गया था। अगले दिन तबीयत फिर बिगडऩे पर अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मामला 15 फरवरी की रात का है। डेडरी के आश्रमपारा में ट्रैक्टर चालक पन्ना राठिया (निवासी बादपाली) का शव उसके घर के दरवाजे के पास खून से लथपथ मिला था। मृतक की पत्नी मथुरा यादव ने रात करीब 12 बजे मकान मालिक को सूचना दी थी कि वह रात 10 बजे खेत में पानी का पंप बंद करने गई थी और करीब 11 बजे वापस लौटी तो पति मृत पड़ा था। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की तो

मथुरा यादव पर ही हत्या में शामिल होने का संदेह सामने आया। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया था। बाद में उसे सेंट्रल जेल अंबिकापुर में निरुद्ध किया गया। उस पर बीएनएस की धारा 103(1) के तहत हत्या का मामला विचाराधीन था।

लंबे समय से साथ रह रहे थे दोनों : पुलिस के अनुसार पन्ना राठिया रायगढ़ के केलो बिहार कॉलोनी निवासी हीरालाल सिंह की कुंभा बहाल स्थित नर्सरी में ट्रैक्टर चालक और मजदूर के रूप में काम करता था। इसी दौरान उसका परिचय विवाहित मथुरा यादव से हुआ। दोनों करीब 16-17 वर्षों से साथ रह रहे थे और डेडरी में एक मकान में पति-पत्नी की तरह रहते थे। मथुरा यादव के तीन बच्चे हैं।

रायगढ़ और सूरजपुर के पते से स्वजन की तलाश : जेल रिकॉर्ड में मथुरा यादव के रायगढ़ और सूरजपुर, दोनों स्थानों के पते दर्ज हैं। मौत के बाद शव मेडिकल कॉलेज अस्पताल की मर्च्युरी में रखवाया गया है। जेल प्रबंधन और पुलिस उसके स्वजनों के आने का इंतजार कर रहे हैं। सूरजपुर तथा रायगढ़ के चक्रधरनगर थाने को भी सूचना दी गई है। जेल प्रशासन ने जिला दंडाधिकारी और जिला एवं सत्र न्यायाधीश को भी महिला बंदी की मौत की जानकारी दे दी है। नियमानुसार मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट से जांच कराई जाएगी।

बाइकों की टक्कर में मजदूर युवक की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

मोटरसायकल की ठोकर से घायल युवक की मौत हो गई। पुलिस ने बताया मृतक विकास लोहार 22 वर्ष, पिता रामभरोस लोहार दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम बरटिकरा का रहने वाला था। 17 सितम्बर को वह स्वयं के बाइक से खर्रापारा में मजदूरी करने के लिए गया था, इसी दौरान पीछे से आ रहे बाइक क्रमांक सीजी 10 एएस 7202 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए तेज रफ्तार में से ठोकर मार दिया। स्थानीय लोगों ने घायल युवक को संजीवनी 108 से मेडिकल कॉलेज संबद्ध अस्पताल अंबिकापुर भिजवाया था, और मोबाइल फोन पर युवक के पिता को घटना की सूचना दी थी। स्वजन अस्पताल पहुंचे तो आपातकालीन चिकित्सा परिसर में स्ट्रेचर में मृतक का शव रखा था। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है। मामले में स्थानीय पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

करैत के दंश से पीड़ित महिला की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

करैत सांप के दंश से पीड़ित महिला की अस्पतालों का चक्कर काटते मौत हो गई। अस्पताल से मिली सूचना पर स्थानीय पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, कोरबा जिला के पसान थाना अंतर्गत ग्राम जामकछार की जुगरी बाई ओडाली पति शिवलाल 45 वर्ष, 17 सितम्बर की रात को खाना खाने के बाद घर के परछी में खाट बिछाकर पोती के साथ सोई थी। रात करीब 10.30 बजे जुगरी बाई के बाएं पैर के पंजा में करैत सांप काट लिया। महिला के चिल्लाने की आवाज सुनकर उसका पुत्र पहुंचा तो जहरीला करैत वहीं पर था। आननफानन में स्वजन पीड़ित महिला को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिरमिना ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद रिफर करने पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बचरापोड़ी, जिला अस्पताल बैकुंठपुर पुनः मेडिकल कॉलेज संबद्ध अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां आपातकालीन चिकित्सा परिसर में जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

संगठन सृजन अभियान के प्रशिक्षण शिविर का समापन

एमसीबी के सभी ब्लॉक अध्यक्ष एवं मास्टर ट्रेनर हुए शामिल

संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने,कार्यकर्ताओं में समन्वय और अनुशासन पर दिया गया जोर

-संवाददाता-
मनेंद्रगढ़,18 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

संगठन सृजन अभियान के तहत अंबिकापुर में आयोजित सरगुजा संभाग के ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों एवं मास्टर ट्रेनरों के चौथे चरण के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ, शिविर में मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के सभी ब्लॉक अध्यक्षों एवं मास्टर ट्रेनरों ने सहभागिता की,उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार सरगुजा संभाग का यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 15 से 17 सितंबर 2026 तक आयोजित किया गया। जिले की ओर से मनेंद्रगढ़ शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सौरव मिश्रा,मनेंद्रगढ़ ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष रामनरेश पटेल,चिरमिरी ब्लॉक अध्यक्ष शिवांश जैन,खड़गवां ब्लॉक अध्यक्ष युधिष्ठिर कमरों,जनकपुर ब्लॉक अध्यक्ष अंकुर सिंह तथा कोटाडोल ब्लॉक अध्यक्ष रामू सिंह शामिल हुए,वहीं मास्टर ट्रेनर के रूप में जय प्रकाश साहू एवं सुभाष दास ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

संगठन मजबूती और अनुशासन पर मार्गदर्शन

जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि संगठन सृजन अभियान के तहत आयोजित प्रशिक्षण शिविर में संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा संगठनात्मक अनुशासन को लेकर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन मिला,उन्होंने कहा कि पार्टी के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों,पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से संगठन के प्रति निष्ठा और अनुशासन के साथ कार्य करने की अपेक्षा है, संगठन विरोधी गतिविधियों की स्थिति में पार्टी के नियमानुसार संगठनात्मक कार्रवाई का प्रावधान है, उन्होंने कहा कि आगामी टिकट वितरण में संगठन के प्रति सक्रियता, निरंतर कार्य और जमीनी स्तर पर योगदान देने वाले कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता दिए जाने पर भी जोर दिया गया है, संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को मिलकर काम करना होगा।

प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित- समापन अवसर पर प्रशिक्षण में शामिल सभी ब्लॉक अध्यक्षों एवं मास्टर ट्रेनरों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए,इस दौरान संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और प्रशिक्षण से प्राप्त मार्गदर्शन को स्थानीय संगठनात्मक गतिविधियों में लागू करने का संकल्प लिया गया,सरगुजा संभाग में आयोजित यह प्रशिक्षण अभियान कांग्रेस के संगठन सृजन कार्यक्रम के अगले चरण के रूप में सामने आया है, प्रशिक्षण के बाद ब्लॉक अध्यक्षों और मास्टर ट्रेनरों के माध्यम से संगठनात्मक गतिविधियों को आगे जमीनी स्तर तक पहुंचाने पर जोर दिया जा रहा है।

प्रशिक्षण को संगठनात्मक कार्यों में लागू करने की बात

मनेंद्रगढ़ शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सौरव मिश्रा ने कहा कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का अनुभव अच्छा और सीखने वाला रहा,इस दौरान वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन मिला तथा शीर्ष नेतृत्व का आशीर्वाद और सहयोग प्राप्त हुआ,उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान मिले मार्गदर्शन को संगठनात्मक कार्यों में उपयोग करते हुए संगठन को और मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही संगठन के प्रति सक्रिय साथियों को आगे बढ़ाने के लिए भी कार्य किया जाएगा।

वरिष्ठ नेताओं की रही मौजूदगी

प्रशिक्षण शिविर में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज,पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत,पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव,पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू,अमरजीत भगत एवं डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम,प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू,पूर्व विधायक विनय जायसवाल एवं गुलाब कमरों सहित वरिष्ठ नेता एवं कांग्रेसजन उपस्थित रहे,शिविर के दौरान संगठन निर्माण,ब्लॉक अध्यक्षों की जिम्मेदारी,कार्यकर्ताओं के साथ बेहतर समन्वय तथा संगठन को जमीनी स्तर तक सक्रिय बनाने जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया,पूर्व में आयोजित सत्रों में भी बूथ से लेकर ब्लॉक स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर जोर दिए जाने की जानकारी सामने आई है।

यूपी ले जाए जा रहे 34 भैंस-भैंसे पकड़े, एक तस्कर गिरफ्तार

केसारी गांव में पुलिस की घेराबंदी...अंधेरे का फायदा उठाकर अन्य आरोपी भागे,आरोपी जेल भेजा गया

-संवाददाता-
बलरामपुर-रामानुजगंज,18 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

जिले में मवेशियों की अवैध तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के बीच रघुनाथनगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने केसारी गांव के रास्ते पैदल उत्तर प्रदेश ले जाए जा रहे 34 भैंस-भैंसे जब्त किए हैं। मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया, जबकि उसके अन्य साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए।

मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी

पुलिस के अनुसार 16 सितंबर को गश्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग केसारी गांव के रास्ते बड़ी संख्या में मवेशियों को पैदल उत्तर प्रदेश की ओर ले जा रहे हैं। सूचना मिलते ही रघुनाथनगर पुलिस टीम ने केसारी गांव में घेराबंदी कर दी। पुलिस को देखकर तस्करों ने भागने का प्रयास किया। टीम ने पीछा कर दीपक सोनवानी (24), निवासी केसारी को पकड़ लिया। हालांकि अन्य आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे।

34 मवेशी जब्त,आरोपी जेल भेजा

पुलिस ने मौके से 34 मवेशियों को अपने कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू की। मामले में थाना रघुनाथनगर में अपराध क्रमांक 110/2026 दर्ज किया गया है। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा

111(2), छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4, 6, 10 तथा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11(1)(घ) के तहत कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया,जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है।

आर्थिक तंगी और दिव्यांगता को मात देकर पूजा ने पास की नीट,मेडिकल कॉलेज जगदलपुर में मिला प्रवेश

शासकीय स्कूल से पढ़ाई कर चार वर्षों तक घर पर की तैयारी, कठिन परिस्थितियां भी नहीं रोक सकीं पूजा का हौसला

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले की आदिवासी बेटी कुमारी पूजा सिंह के डॉक्टर बनने के सपने को नया संबल दिया है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आने वाली और 66 प्रतिशत दिव्यांग पूजा ने तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद नीट-2026 में सफलता हासिल कर मेडिकल कॉलेज जगदलपुर में प्रवेश प्राप्त किया है। अब उनकी आर्थिक स्थिति मेडिकल की पढ़ाई में बाधा न बने,इसके लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर कलेक्टर श्री अजीत वसंत द्वारा जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) मद से शिक्षण शुल्क के लिए 2 लाख 50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने पूजा की उपलब्धि की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य निर्माण की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद पूजा ने जिस लगन और मेहनत से सफलता हासिल की है,वह दूसरे विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायी है।

मां ने मजदूरी कर संभाला परिवार, बेटी ने नहीं छोड़ा डॉक्टर बनने का सपना : कुमारी पूजा सिंह विकासखंड सीतापुर के ग्राम राधापुर की निवासी हैं। राधापुर विकासखंड मुख्यालय सीतापुर से लगभग 8 किलोमीटर दूर रायगढ़ रोड पर स्थित है। पूजा के पिता श्री चक्रधर सिंह दूसरी शादी के बाद दूसरी पत्नी के साथ निवास करते हैं। ऐसे में परिवार की जिम्मेदारी उनकी मां के कंधों पर है। पूजा की मां के पास स्वयं की कृषि भूमि नहीं है। परिवार के भरण-पोषण के लिए वे गांव में अन्य लोगों के खेतों में मजदूरी करती हैं। सीमित आमदनी और संसाधनों के अभाव के बीच उन्होंने अपनी बेटी की शिक्षा जारी रखी। वहीं पूजा ने भी परिस्थितियों के सामने हार मानने के बजाय पढ़ाई को अपने जीवन का लक्ष्य बनाया।

शासकीय स्कूलों से पूरी की स्कूली शिक्षा : पूजा की प्रारंभिक शिक्षा गांव से ही हुई। उन्होंने प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक स्तर की पढ़ाई राधापुर में पूरी की। इसके बाद हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी की शिक्षा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सीतापुर से प्राप्त की। उन्होंने वर्ष 2022 में कक्षा 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की।

चार साल की मेहनत रंग लाई,मेडिकल कॉलेज जगदलपुर में मिला प्रवेश

लगातार अध्ययन,आत्मविश्वास और कठिन परिश्रम का परिणाम वर्ष 2026 में सामने आया। पूजा ने नीट परीक्षा में सफलता हासिल की और काउंसलिंग के माध्यम से मेडिकल कॉलेज जगदलपुर में प्रवेश प्राप्त किया। एक मजदूर मां की बेटी का सीमित संसाधनों के बीच मेडिकल कॉलेज तक पहुंचना न केवल परिवार,बल्कि पूरे सरगुजा जिले के लिए गौरव का विषय है। एक ओर मां की मेहनत और बेटी का संघर्ष है, तो दूसरी ओर शासन का सहयोग इन तीनों ने मिलकर पूजा के डॉक्टर बनने के सपने को नई उड़ान दी है।

पूजा की सफलता आज सरगुजा के उन अनेक विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखते हैं और उन्हें पूरा करने के लिए निरंतर मेहनत कर रहे हैं।

जशपुर के 2600 विद्यालयों में 'स्वच्छ भारत,विकसित भारत' थीम पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता

विद्यार्थियों ने चित्रों और भाषणों के माध्यम से स्वच्छता एवं विकसित भारत की परिकल्पना को किया अभिव्यक्त

-संवाददाता-
जशपुरनगर,18 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

जिले के लगभग 2600 विद्यालयों में विद्यार्थियों के बीच 'स्वच्छ भारत,विकसित भारत' की थीम पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इन प्रतियोगिताओं में जिले के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी उत्साहपूर्वक सहभागिता कर रहे हैं। विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छता,पर्यावरण संरक्षण, स्वस्थ जीवनशैली,जन-जागरूकता और विकसित भारत की संकल्पना से जुड़े विषयों पर अपनी रचनात्मक प्रतिभा एवं विचारों को प्रस्तुत किया जा रहा है। यह आयोजन 19 सितंबर तक जारी रहेगा। चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को अपनी कल्पनाशीलता के माध्यम से स्वच्छ एवं सुंदर भारत की तस्वीर प्रस्तुत करने का अवसर मिल रहा है। विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छ विद्यालय,स्वच्छ गांव एवं शहर,कचरा प्रबंधन,प्लास्टिक मुक्त वातावरण, हरित पर्यावरण,जल संरक्षण तथा स्वच्छता के प्रति जागरूक समाज जैसे विषयों को चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया जा रहा है। रंगों और रचनात्मकता के माध्यम से बच्चों द्वारा स्वच्छता के महत्व को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त किया जा रहा है।

इसी प्रकार भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थी स्वच्छता के महत्व और विकसित भारत के निर्माण में नागरिकों की भूमिका पर अपने विचार रख रहे हैं। विद्यार्थियों द्वारा व्यक्तिगत स्वच्छता,आसपास के वातावरण की स्वच्छता,कचरे का उचित निपटान, स्वच्छ पेयजल,पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को दैनिक जीवन की आदत बनाने जैसे विषयों पर वक्तव्य दिए जा रहे हैं। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों में सार्वजनिक मंच पर अपने विचार रखने और सामाजिक विषयों पर अपनी समझ विकसित करने का अवसर मिल रहा है।

'स्वच्छ भारत, विकसित भारत' की थीम विद्यार्थियों को स्वच्छता और राष्ट्र के विकास के बीच के संबंध को समझने के लिए प्रेरित कर रही है। स्वच्छ वातावरण स्वस्थ समाज की आधारशिला है और स्वस्थ एवं जागरूक नागरिक ही देश के विकास में प्रभावी योगदान दे सकते हैं। इसी उद्देश्य से विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए अपने घर, विद्यालय और आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। विद्यालयों में आयोजित इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में स्वच्छता संस्कार,पर्यावरणीय चेतना, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। बच्चों को यह संदेश दिया जा रहा है कि स्वच्छता केवल किसी अभियान तक सीमित विषय नहीं है,बल्कि इसे दैनिक जीवन की आदत और सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाना आवश्यक है। विद्यार्थियों की सहभागिता से स्वच्छता के संदेश को परिवार और समुदाय तक पहुंचाने में भी मदद मिलेगी।

जिले के विभिन्न विद्यालयों में प्रतियोगिताओं को लेकर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों में उत्साह का माहौल है। विद्यार्थी अपनी प्रतिभा के अनुरूप चित्रकला और भाषण के माध्यम से स्वच्छ भारत की परिकल्पना को सामने रख रहे हैं। शिक्षकों द्वारा भी विद्यार्थियों को विषय की समझ विकसित करने,रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करने तथा स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने में सहयोग किया जा रहा है। 'स्वच्छ भारत, विकसित भारत' थीम पर आधारित चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन 19 सितंबर 2026 तक जारी रहेगा। इन गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ उनमें जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना विकसित करना है।

विद्यालय स्तर से शुरू होने वाली यह जागरूकता विद्यार्थियों के माध्यम से परिवार और समाज तक पहुंचेगी तथा स्वच्छ, स्वस्थ,जागरूक एवं विकसित भारत के निर्माण में सहभागिता की भावना को और मजबूत करेगी।

विधायक प्रबोध मिंज एवं जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह की उपस्थिति में हुआ जल जन सेवा संकल्प का कार्यक्रम आयोजन

जल संरक्षण का लिया संकल्प,स्व-सहायता समूह की दीदियों के साथ श्रमदान कर चलाया स्वच्छता अभियान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

सेवा संकल्प अभियान के तहत जल संसाधन विभाग द्वारा जल संरक्षण, स्वच्छता एवं जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से श्याम घुनघुट्टा जलाशय में जल जन सेवा संकल्प कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह सहित जनप्रतिनिधियों, विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों, स्व-सहायता समूह की दीदियों एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों एवं नागरिकों ने जल संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर जल के महत्व,जल स्रोतों के संरक्षण तथा पानी के विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। नागरिकों से जल की प्रत्येक बूंद का महत्व समझते हुए अपने दैनिक जीवन में जल संरक्षण को अपनाने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया गया।

श्रमदान कर दिया स्वच्छता और जनभागीदारी का संदेश : कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता अभियान भी चलाया गया।

जनप्रतिनिधियों,अधिकारियों-कर्मचारियों तथा स्व-सहायता समूह की दीदियों ने श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। इस दौरान लोगों को अपने घर, कार्यस्थल एवं आसपास के' सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने तथा स्वच्छता को दैनिक जीवन की जिम्मेदारी के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में जल संरक्षण और स्वच्छता को केवल शासकीय प्रयासों तक सीमित न रखते हुए इसमें जनभागीदारी की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया गया। संदेश दिया गया कि जल स्रोतों की सुरक्षा, जल का मितव्ययी उपयोग और आसपास के वातावरण की स्वच्छता के लिए प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। सामूहिक प्रयास और जनसहभागिता से ही स्वच्छ,स्वस्थ और समृद्ध समाज के निर्माण के लक्ष्य को साकार किया जा सकता है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से जल संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के साथ नागरिकों को इन प्रयासों में सक्रिय भागीदार बनाना रहा।

इस अवसर पर जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री ए.पी. निरंजन, संबंधित अनुविभागीय अधिकारी एवं उप अभियंता,जनपद पंचायत अम्बिकापुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी,लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग तथा जल संसाधन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में नागरिक एवं स्व-सहायता समूह की दीदियां उपस्थित रहीं।

C M Y K

आशीर्वाद के 4 लाख 11 हजार 111 दीयों से रोशन हुआ सूरजपुर,सेवा संकल्प का आगाज....

दीयों की रोशनी में गूंजा सेवा संकल्प, 'आशीर्वाद का दीया' से सेवा संकल्प अभियान का आगाज,मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े बोलीं...विकसित भारत 2047 में हर नागरिक की होगी भूमिका

-ओंकार पाण्डेय-
सूरजपुर,18 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

सेवा,संकल्प,जनभागीदारी और सकारात्मकता के संदेश के साथ सूरजपुर जिले में 'सेवा संकल्प अभियान'की शुरुआत हुई, अभियान की पहली पहल 'आशीर्वाद का दीया' के तहत जिलेभर में 4 लाख 11 हजार 111 दीप प्रज्ज्वलित किए गए,जिला मुख्यालय स्थित रंगमंच में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने शाम 7 बजे दीप प्रज्ज्वलित कर अभियान का शुभारंभ किया,उन्होंने स्वयं भी 'आशीर्वाद का दीया' जलाया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में उपस्थित जन प्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने भी दीप प्रज्ज्वलित कर सेवा,संकल्प और सकारात्मकता का संदेश दिया, वहीं जिले के विभिन्न गांवों और क्षेत्रों में भी घर-घर दीप जलाए गए। विद्यालयीन छात्र-छात्राओं,स्व-सहायता समूह की दीदियों,हितग्राहियों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

एक माह तक चलेंगे जनसेवा और जनभागीदारी के कार्यक्रम

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 'आशीर्वाद का दीया' के माध्यम से सेवा संकल्प अभियान की शुरुआत की गई है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर सेवा और जनहित से जुड़े कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए यह अभियान महत्वपूर्ण है, उन्होंने कहा कि आगामी एक माह तक जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं, उपलब्धियों और विकास कार्यों की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाई जाएगी, मंत्री ने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल आयोजन करना नहीं, बल्कि लोगों को सेवा और जनभागीदारी की भावना से जोड़ना है, उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता से विकास की प्रक्रिया को और मजबूत किया जा सकता है।

विकसित भारत 2047 में हर नागरिक की होगी भूमिका

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं और इन कार्यों तथा योजनाओं का लाभ समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचा है,उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 का लक्ष्य केवल सरकार का लक्ष्य नहीं है,बल्कि प्रत्येक नागरिक की सहभागिता से पूरा होने वाला संकल्प है,सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से लोगों को विकास की इस यात्रा से जोड़ने और जनभागीदारी को और मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है, उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा लिए गए विभिन्न निर्णयों और शुरू की गई योजनाओं का उल्लेख करते हुए अनुच्छेद 370, नोटबंदी, तीन तलाक के विरुद्ध कानून और महिला आरक्षण से संबंधित कानून को महत्वपूर्ण निर्णयों के रूप में बताया।

जनधन,स्वच्छ भारत और आयुष्मान भारत का किया उल्लेख

मंत्री ने कहा कि जनधन योजना के माध्यम से लोगों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने का कार्य किया गया, वहीं स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से स्वच्छता को बढ़ावा देने,आत्मनिर्भर भारत की दिशा में प्रयास करने और डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी कार्य हुआ है, उन्होंने आयुष्मान भारत का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके माध्यम से स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया गया है, किसानों के हित में भी विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से अनेक परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध हुए हैं,इन योजनाओं से लोगों के जीवन में बदलाव आया है,मंत्री ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से इन योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

सूरजपुर में चारों ओर जगमगाया 'आशीर्वाद का दीया' : विधायक मरावी-कार्यक्रम में विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि आज सूरजपुर जिला 'आशीर्वाद का दीया' की रोशनी से जगमगा रहा है,जिले के विभिन्न गांवों और क्षेत्रों में बड़ी संख्या में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक दीप प्रज्ज्वलित कर इस पहल में अपनी सहभागिता निभाई,उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 'आशीर्वाद का दीया' जलाकर उन्हें शुभकामनाएं दी जा रही हैं, गांव-गांव से लोगों ने इस पहल से जुड़कर अपनी सहभागिता दर्ज कराई, विधायक ने कहा कि बड़ी संख्या में नागरिकों ने दीप प्रज्ज्वलित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं और उनके सार्वजनिक जीवन के लिए मंगलकामनाएं कीं।

घर-घर जला दीप, बच्चों से लेकर स्व-सहायता समूह की दीदियां हुई शामिल-'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम केवल जिला मुख्यालय तक सीमित नहीं रहा, जिले में घर-घर दीप प्रज्ज्वलित किए गए,विद्यालयीन छात्र-छात्राओं ने भी इसमें हिस्सा लिया, स्व-सहायता समूह की दीदियों,हितग्राहियों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों ने अपने घरों में दीप जलाकर कार्यक्रम में सहभागिता निभाई,इस दौरान दीप प्रज्ज्वलन को सेवा, संकल्प और सकारात्मकता के संदेश से जोड़ा गया, जिले में बड़ी संख्या में दीपों के एक साथ प्रज्ज्वलित होने से अभियान की जनभागीदारी का स्वरूप सामने आया।

स्थानीय कला और संस्कृति की दिखी मनोहारी झलक-सेवा संकल्प अभियान के जिला स्तरीय कार्यक्रम में सूरजपुर की समृद्ध आदिवासी संस्कृति,लोककला और परंपराओं की भी मनोहारी झलक देखने को मिली,रंगमंच पर कलाकारों ने पारंपरिक वेशभूषा में पारंपरिक वाद्ययंत्रों की थाप और लोकगीतों के साथ आकर्षक प्रस्तुतियां दीं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने जिला स्तरीय आयोजन में स्थानीय रंग भरने के साथ ही जिले की कला और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया,पारंपरिक प्रस्तुतियों के माध्यम से स्थानीय कलाकारों और लोक संस्कृति को मंच मिला, कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने इन प्रस्तुतियों का आनंद लिया।

मंत्री ने सेवा संकल्प रथ को दिखाई हरी झंडी-सेवा संकल्प अभियान के जिला स्तरीय कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सेवा संकल्प रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, रथ जिले के विभिन्न विकासखंडों में पहुंचकर केंद्र एवं राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, उपलब्धियों और विकास कार्यों की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाएगा, मंत्री ने कहा कि सेवा संकल्प रथ के माध्यम से शासन की योजनाओं की जानकारी विकासखंड स्तर से गांव-गांव तक पहुंचाई जाएगी, इससे पात्र हितग्राही योजनाओं को समझ सकेंगे और उनका लाभ लेने के लिए जागरूक हो सकेंगे,उन्होंने कहा कि रथ यात्रा के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी देने के साथ लोगों को शासन की विकास यात्रा से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने पर जोर-मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना और जनभागीदारी को बढ़ावा देना उद्देश्य है,सेवा संकल्प रथ विभिन्न विकासखंडों में पहुंचकर योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी देगा,इसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को शासन की योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

वरिष्ठ जनप्रतिनिधि और अधिकारी रहे मौजूद-जिला स्तरीय कार्यक्रम में वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों के साथ जिला पंचायत उपाध्यक्ष रेखा राजवाड़े,जनपद अध्यक्ष स्वाति संत सिंह, कलेक्टर रेना जमील,पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल,वनमंडलाधिकारी विपुल जायसवाल, जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले सहित अन्य जनप्रतिनिधि,अधिकारी और बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे।

दीप प्रज्ज्वलन से रथयात्रा तक अभियान का विस्तार-सूरजपुर में सेवा संकल्प अभियान की शुरुआत 'आशीर्वाद का दीया' से हुई। जिलेभर में 4 लाख 11 हजार 111 दीप प्रज्ज्वलित किए गए, जबकि जिला मुख्यालय के रंगमंच पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ,इस दौरान स्थानीय कला और संस्कृति की प्रस्तुतियों के साथ जनभागीदारी का संदेश दिया गया, इसी कार्यक्रम के दौरान सेवा संकल्प रथ को रवाना कर अभियान को ग्रामीण क्षेत्रों तक ले जाने की शुरुआत की गई,रथ के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं, उपलब्धियों और विकास कार्यों की जानकारी गांव-गांव तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा, इस प्रकार सूरजपुर में 'आशीर्वाद का दीया' से शुरू हुआ सेवा संकल्प अभियान अब जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी और जनभागीदारी को गांव-गांव तक पहुंचाने की दिशा में आगे बढ़ा है।

हाथियों के डर से गांवों में रात का ठिकाना बदला

14 हाथियों का दल गांवों के आसपास,परिवार बच्चों समेत पंचायत व सामुदायिक भवनों में गुजार रहे रात,सडक़ों पर भी रोका आवागमन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

उदयपुर वन परिक्षेत्र में हाथियों के लगातार मूवमेंट ने जंगल से लगे गांवों के ग्रामीणों की रातों की नींद छीन ली है। 14 हाथियों का दल गांवों के आसपास पहुंचने के कारण कई परिवार अपने घरों में रात गुजारने के बजाय बच्चों को लेकर पंचायत भवन और सामुदायिक भवनों में शरण ले रहे हैं। कई गांवों में पुरुष रातभर जागकर हाथियों की गतिविधियों पर नजर रखने को मजबूर हैं। हाथियों का दल पिछले कई दिनों से लखनपुर क्षेत्र से लालपुर, केदमा,सायर और भालूमाड़ा के जंगलों के आसपास विचरण कर रहा है। गुरुवार शाम हाथियों के लक्ष्मणगढ़-सुखरीभंडार चौक क्षेत्र में पहुंचने के बाद वन विभाग को केदमा रोड पर आवागमन रोकना पड़ा। शाम करीब 7.30 बजे से रात 8.45 बजे तक मार्ग पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही। सायर चौक पर भी करीब एक घंटे तक रास्ता बंद रखा गया। इसके चलते सडक़ के दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। हाथियों की मौजूदगी को देखते हुए वन विभाग ने प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी है। तीन वाहनों से हाथियों के दल की लोकेशन पर नजर रखी जा रही है। संभावित मूवमेंट वाले क्षेत्रों में वन अमले की टीमें तैनात की गई हैं। गांवों में मुनादी कराकर लोगों को रात में जंगल और खेतों की ओर नहीं जाने तथा हाथियों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की समझाइश दी जा रही है। वन विभाग के अनुसार जिन गांवों में रात के समय हाथियों का जमावड़ा रहता है, वहां जंगल से लगे घरों में रहने वाले परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। सरपंचों की मदद से ग्रामीणों को पंचायत भवन, सामुदायिक भवन और अन्य पक्के मकानों में ठहराया जा रहा है। जरूरत के अनुसार भोजन और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था भी की जा रही है। हाथियों के लगातार मूवमेंट से फसल नुकसान का खतरा भी बढ़ गया है। अब तक करीब 10 हेक्टेयर में लगी फसल प्रभावित होने की जानकारी है। दर्जनों कच्चे मकानों को भी नुकसान पहुंचने की बात सामने आई है। वन परिक्षेत्राधिकारी फेकू चौबे के अनुसार उदयपुर क्षेत्र में करीब ढाई महीने से एक रोलर हाथी भी घूम रहा है। अब 14 हाथियों का दल पहुंचने से चुनौती बढ़ गई है। विभाग हाथियों की गतिविधियों पर नजर रखते हुए ग्रामीणों की सुरक्षा पर फोकस कर रहा है।

मोदी के जन्मदिन पर पटना में कांग्रेस का 'राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस',महंगाई और वादों को लेकर प्रदर्शन

एसडीएम को दी गई सूचना,यशवंत सिंह के घर से मस्जिद चौक तक निकलेगा पैदल मार्च

-संवाददाता-
पटना/कोरिया,18 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर पटना मंडल कांग्रेस कमेटी द्वारा 'राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस' के रूप में सांकेतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, मंडल कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष परेश कुमार सिंह के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बेरोजगारी, महंगाई और सरकार के कथित वादों से जुड़े मुद्दों को लेकर विरोध दर्ज कराया, कार्यक्रम में यूपीआई से संबंधित टैक्स सहित विभिन्न मुद्दों को भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उठाया,मंडल कांग्रेस कमेटी की ओर से कार्यक्रम को लेकर अनुविभागीय दंडाधिकारी (रा.),पटना को लिखित सूचना भी दी गई थी, पत्र में 17 सितंबर 2026 को सुबह 11 बजे मंडल कांग्रेस कमेटी पटना द्वारा राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस कार्यक्रम आयोजित किए जाने की जानकारी दी गई है, पत्र में कार्यक्रम के दौरान बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई और कथित वादा खिलाफी के खिलाफ प्रदर्शन तथा इसके बाद पैदल मार्च निकाले जाने का उल्लेख है।

बेरोजगारी और महंगाई पर सांकेतिक विरोध-कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को बेरोजगारी और महंगाई जैसे मुद्दों को सामने रखने के लिए सांकेतिक रूप से 'राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस' के रूप में मनाया। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि देश के युवाओं के सामने रोजगार का मुद्दा महत्वपूर्ण है और महंगाई का असर आम लोगों पर पड़ रहा है, कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इन मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। पार्टी की ओर से उठाए गए मुद्दों में यूपीआई से संबंधित टैक्स का विषय भी शामिल रहा, यूपीआई टैक्स को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा लगाए गए आरोपों को कार्यक्रम में उठाए गए राजनीतिक मुद्दे के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

एसडीएम को पहले ही दी गई थी सूचना

मंडल कांग्रेस कमेटी पटना के अध्यक्ष परेश कुमार सिंह की ओर से अनुविभागीय दंडाधिकारी (रा.) पटना को भेजे गए पत्र में कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया गया था कि 17 सितंबर को सुबह 11 बजे मंडल कांग्रेस कमेटी की ओर से राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस का आयोजन किया जाएगा,पत्र में शांतिपूर्ण तरीके से बेरोजगारी,महंगाई और वादा खिलाफी के खिलाफ प्रदर्शन करने की बात कही गई थी,इसके बाद यशवंत सिंह के घर से मस्जिद चौक तक पैदल मार्च निकाले जाने की जानकारी भी प्रशासन को दी गई थी।

परेश सिंह के नेतृत्व में जुटे कांग्रेस कार्यकर्ता

कार्यक्रम का नेतृत्व मंडल कांग्रेस कमेटी पटना के अध्यक्ष परेश सिंह ने किया, इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर बेरोजगारी और महंगाई के मुद्दे उठाए तथा केंद्र सरकार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया, कांग्रेस की ओर से आयोजित यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर देश के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे राजनीतिक कार्यक्रमों के बीच स्थानीय स्तर पर पार्टी का विरोध प्रदर्शन रहा, अन्य राज्यों में भी कांग्रेस और उसके विभिन्न संगठनों द्वारा 17 सितंबर को बेरोजगारी के मुद्दे पर सांकेतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाने की रिपोर्ट सामने आई है।

कार्यकर्ताओं ने गिनाए कई मुद्दे-कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बेरोजगारी एवं महंगाई के साथ सरकार के कथित वादों को लेकर सवाल उठाए,उनका कहना था कि युवाओं के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर,महंगाई से राहत और आम लोगों से जुड़े आर्थिक मुद्दों पर सरकार को जवाब देना चाहिए,कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इसे युवाओं और आम जनता से जुड़े मुद्दों को राजनीतिक मंच पर उठाने का माध्यम बताया, वहीं, इन मुद्दों पर केंद्र सरकार और भाजपा का पक्ष इस स्थानीय कार्यक्रम के संदर्भ में उपलब्ध सामग्री में दर्ज नहीं है।

ये रहे प्रमुख रूप से उपस्थित-कार्यक्रम में नगर पंचायत पटना के सांसद प्रतिनिधि दीपक,फरोग सिद्दीकी,ब्लॉक महामंत्री अमन देवांगन,पार्षद वाशिम खान, सौरभ सिंह,कुंवर साई,सुरेंद्र देशमुख,सागर शर्मा,सुजीत सोनी,किसान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष प्रवीण दुबे,राकेश साहू,रईस खान, बच्चा राम,आशीष पाण्डेय,करन कुमार, प्रतिमा सिंह,राम बाई,लल्लू, विक्रम सारथी, गोकुल सारथी सहित कांग्रेस के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जन्मदिन के समानांतर राजनीतिक कार्यक्रम

17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर भाजपा की ओर से 'सेवा संकल्प अभियान' से जुड़े जनसेवा कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं, अभियान के तहत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक विभिन्न सेवा और जनभागीदारी गतिविधियां आयोजित किए जाने की जानकारी सार्वजनिक रूप से दी गई है, इसी दिन पटना मंडल कांग्रेस कमेटी ने बेरोजगारी,महंगाई और अन्य मुद्दों को लेकर अपना विरोध कार्यक्रम आयोजित किया,इस तरह प्रधानमंत्री के जन्मदिन का दिन स्थानीय स्तर पर सत्तारूढ़ भाजपा के सेवा कार्यक्रमों और विपक्षी कांग्रेस के विरोध कार्यक्रमों के समानांतर राजनीतिक गतिविधियों का दिन भी बना।

दीयों से जगमगाया कोरिया-एमसीबी, 'सेवा संकल्प' का भव्य आगाज

सोनहत
11,901 दीयों से जगमगाया मिनी स्टेडियम

कोरिया
3 लाख से अधिक दीयों से रोशन जिला

मनेन्द्रगढ़
सरोवर तालाब में 5 लाख से अधिक दीपों का अद्भुत नजारा

सरोवर से झुमका तक दीपों का उजियारा...सेवा संकल्प ने रचा जनभागीदारी का नजारा

मनेन्द्रगढ़ के सरोवर तालाब में पांच लाख से अधिक दीपों ने रचा अद्भुत नजारा,कोरिया में तीन लाख से ज्यादा दीये रोशन

मनेन्द्रगढ़ में पांच लाख...कोरिया में तीन लाख से ज्यादा दीये, 'आशीर्वाद का दीया' ने रचा उजियारा

पांच लाख दीयों से जगमगाया मनेन्द्रगढ़, तीन लाख दीपों से रोशन हुआ कोरिया

दीपों की रोशनी में दिखा जनभागीदारी का संकल्प, मनेन्द्रगढ़ से सोनहत तक जगमगाया अंचल

सरोवर तालाब से झुमका तक रोशनी का महासंगम, 'आशीर्वाद का दीया' से सेवा संकल्प की शुरुआत

11,901 दीपों से सोनहत भी जगमगाया,कोरिया-एमसीबी में 'आशीर्वाद का दीया' का भव्य आयोजन

दीयों की कतारों से सजा कोरिया-एमसीबी, सेवा,संकल्प और जनभागीदारी का संदेश

सरोवर में पांच लाख दीप, झुमका में 25 हजार और सोनहत में 11,901 दीये; रोशनी में दिखा सेवा संकल्प

-रवि सिंह-

मनेन्द्रगढ़/बैकुंठपुर/सोनहत,18 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने और उनके जन्मदिन के अवसर पर कोरिया तथा मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले में 'सेवा संकल्प अभियान-2026' का शुभारंभ बड़े स्तर पर दीप प्रज्वलन के साथ किया गया,अभियान के पहले चरण 'आशीर्वाद का दीया' के तहत 17 सितंबर की शाम दोनों जिलों के अलग-अलग हिस्सों में दीप प्रज्वलित किए गए।

एमसीबी जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ में वार्ड क्रमांक-8 स्थित सरोवर तालाब में पांच लाख से अधिक दीपों के प्रज्वलन ने पूरे क्षेत्र को रोशन कर दिया, वहीं कोरिया जिले में तीन लाख से अधिक दीप जलाए जाने की जानकारी दी गई,जिला स्तरीय आयोजन झुमका ओपन थिएटर में हुआ,जहां 25 हजार से अधिक दीपों से परिसर जगमगा उठा,सोनहत में 11,901 दीपों का सामूहिक प्रज्वलन मिनी स्टेडियम में किया गया, जबकि हसदेव नदी के उद्गम स्थल मेन्द्रा में भी दीप जलाकर जलस्त्रोतों के संरक्षण का संदेश दिया गया,गांवों से शहरों तक,घरों से सार्वजनिक स्थलों तक और तालाबों से लेकर अमृत सरोवरों तक दीपों की रोशनी दिखाई दी,आयोजनों में जनप्रतिनिधियों,अधिकारियों,कार्यकर्ताओं और नागरिकों की सहभागिता रही।

सरोवर तालाब में पांच लाख दीपों से बना रोशनी का संसार-मनेन्द्रगढ़ में सेवा संकल्प अभियान का जिला स्तरीय शुभारंभ वार्ड क्रमांक-8 स्थित सरोवर तालाब में हुआ,यहां पांच लाख से अधिक दीपों का प्रज्वलन किया गया,शाम ढलने के साथ जैसे-जैसे दीप जलते गए, सरोवर तालाब का पूरा परिसर रोशनी से भरता गया,तालाब के चारों ओर कतारबद्ध दीप और पानी में पड़ते उनके झिलमिलाते प्रतिबिंब ने आयोजन को अलग दृश्य दिया,आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में नागरिक कार्यक्रम में पहुंचे, बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक विभिन्न आयु वर्ग के लोग दीप प्रज्वलन में शामिल हुए, दीपों की रोशनी के बीच नागरिकों ने इस दृश्य को अपने मोबाइल कैमरों में कैद किया,सरोवर तालाब का परिसर देर शाम तक नागरिकों की मौजूदगी और दीपों की रोशनी से भरा रहा, इस आयोजन को सेवा, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण के संदेश से जोड़ा गया।

स्वास्थ्य मंत्री की मौजूदगी में हुआ जिला स्तरीय शुभारंभ

मनेन्द्रगढ़ के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल रहे,इस अवसर पर राज्य योग आयोग के अध्यक्ष संजय अग्रवाल, महापौर रामनरेश राय, नगर पालिका परिषद मनेन्द्रगढ़ की अध्यक्ष प्रतिमा यादव,उपाध्यक्ष धर्मेंद्र पटवा, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवती सिंह,पूर्व संसदीय सचिव चंपादेवी पावले,जनपद अध्यक्ष जानकी बाई खुसरो, कलेक्टर संतन देवी जांगड़े,पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह,जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे,मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों ने छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर 'सेवा संकल्प अभियान-2026' तथा जिला स्तरीय दीपोत्सव का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' का वाचन भी किया गया।

मंत्री ने 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन को सेवा और जनकल्याण से जोड़ा

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन को राष्ट्रसेवा,जनकल्याण और अंत्योदय के संकल्प से जोड़कर देखा जाता है,उन्होंने कहा कि सेवा को केवल दायित्व के रूप में नहीं,बल्कि जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण के माध्यम के रूप में आगे बढ़ाने की भावना के साथ सेवा संकल्प अभियान आयोजित किया जा रहा है,उन्होंने मनेन्द्रगढ़ में आयोजित दीपोत्सव के लिए जिले की जनता और जिला प्रशासन को बधाई दी,उनके अनुसार पांच लाख से अधिक दीपों का एक साथ प्रज्वलित होना जनभागीदारी और सामूहिक संकल्प की भावना को दर्शाता है।

कोरिया में तीन लाख से ज्यादा दीपों से रोशन हुआ जिला-कोरिया जिले में भी गुरुवार शाम सात बजे 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिलेभर में तीन लाख से अधिक दीप प्रज्वलित किए गए, ग्राम पंचायतों,नगरीय निकायों,अमृत सरोवरों,चौक-चौराहों, प्रमुख स्थलों तथा शासकीय एवं अशासकीय संस्थानों में दीप जलाए गए,जिला स्तरीय कार्यक्रम झुमका ओपन थिएटर में हुआ,यहां 25 हजार से अधिक दीप प्रज्वलित किए गए,दीपों की कतारों से पूरा परिसर जगमगा उठा, कार्यक्रम में सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज,बैकुंठपुर विधायक भईया लाल राजवाड़े,कलेक्टर रोक्तिमा यादव, पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार राठौर,जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा,उपाध्यक्ष वंदना राजवाड़े,जिला पंचायत सीईओ योगेंद्र श्रीवास,जिला वनमंडलाधिकारी चंद्रशेखर शंकर सिंह परदेशी सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे,बैकुंठपुर नगर पालिका अध्यक्ष नविता शिवहरे, शिवपुर-चरचा नगर पालिका अध्यक्ष अरुण जायसवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि, प्रबुद्ध नागरिक,ग्रामीण और नगरवासी भी आयोजन में शामिल हुए।

सांसद चिंतामणि महाराज ने गिनाईं योजनाएं, अभियान में सहभागिता का आह्वान-कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद चिंतामणि महाराज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन को सेवा और विकास से जोड़ते हुए गांव,गरीब,किसान,मजदूर,महिला,युवा तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित विभिन्न वर्गों के लिए संचालित योजनाओं का उल्लेख किया,उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी विश्वास और विकास की पहचान बन चुके हैं,उनके अनुसार सेवा संकल्प अभियान 17 अक्टूबर तक चलेगा और इसमें समाज के सभी वर्गों की सहभागिता महत्वपूर्ण होगी,उन्होंने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बदलाव तथा आध्यात्मिक केंद्रों के विकास का भी उल्लेख किया।

विधायक बोले...विकसित भारत के लिए जनभागीदारी जरूरी-बैकुंठपुर विधायक भईया लाल राजवाड़े ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान की शुरुआत 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम से हुई है,प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन में जनहित और देशहित में किए गए कार्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए जिलेवासियों ने घर,मोहल्ले, गांव और शहर में दीप प्रज्वलित किए हैं,उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लिए सभी कृतसंकल्पित हैं और यह लक्ष्य जनभागीदारी से हासिल किया जा सकता है,उन्होंने जिलेवासियों से अभियान के आगामी कार्यक्रमों में भी सक्रिय सहभागिता की अपील की,कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने बताया कि कोरिया जिले में तीन लाख से अधिक दीये प्रज्वलित किए गए,गांव,वार्ड,घर और कार्यालयों में लोगों ने उत्साहपूर्वक दीप जलाए,उन्होंने बताया कि 17 अक्टूबर तक ब्लॉक और जिला स्तर पर सेवा,जनभागीदारी तथा जनकल्याण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

हसदेव उद्गम स्थल पर दीयों के साथ जलस्त्रोत संरक्षण का संकल्प-'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम को केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं रखा गया,कोरिया के सोनहत ब्लॉक के ग्राम मेन्द्रा स्थित हसदेव नदी के उद्गम स्थल पर भी बड़ी संख्या में दीप प्रज्वलित किए गए,दीपों की रोशनी से उद्गम स्थल जगमगा उठा, इस अवसर पर लोगों ने नदी,तालाब और जलस्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया,जलस्त्रोतों को स्वच्छ और संरक्षित रखने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों को सुरक्षित रखने का संदेश दिया गया,इस आयोजन के माध्यम से सेवा, पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी को एक साथ जोड़ने का प्रयास किया गया।

सोनहत में 11,901 दीपों से जगमगाया मिनी स्टेडियम-सोनहत में भी 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम ने अलग दृश्य प्रस्तुत किया, मिनी स्टेडियम में 11,901 दीपों का सामूहिक प्रज्वलन किया गया,एक के बाद एक जलते दीपों ने पूरे मिनी स्टेडियम को रोशनी की विशाल श्रृंखला में बदल दिया,दीपों की कतारें और सामूहिक प्रज्वलन कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहे,कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ जनप्रतिनिधि, मातृशक्ति,युवा तथा क्षेत्रवासी शामिल हुए। लोगों ने दीप जलाकर कार्यक्रम में अपनी सहभागिता दर्ज कराई,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर दीप प्रज्वलन के साथ उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की गई। आयोजकों ने दीपों को सेवा, संकल्प और सकारात्मक भावना का प्रतीक बताया।

कार्यकर्ताओं ने संभाली व्यवस्थाओं की कमान-सोनहत में आयोजन की तैयारियों से लेकर दीपों की व्यवस्था,आयोजन स्थल की तैयारी और कार्यक्रम संचालन तक भाजपा मंडल के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने भूमिका निभाई,कार्यक्रम संयोजक मनोज साहू ने कहा कि 11,901 दीपों का सामूहिक प्रज्वलन सेवा,संकल्प और जनभागीदारी की भावना का प्रतीक है, उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले कार्यकर्ताओं,पदाधिकारियों,जनप्रतिनिधियों,मातृशक्ति, युवाओं और क्षेत्रवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया, कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष बसंत राय,जिला पंचायत सदस्य एवं भाजपा जिला मंत्री शिव कुमारी सोनपाकर,जनपद अध्यक्ष आशा देवी सोनपाकर,भाजपा जिला मंत्री ईश्वर राजवाड़े,युवा मोर्चा जिला महामंत्री एवं कार्यक्रम संयोजक मनोज साहू,महामंत्री सुरेश राजवाड़े, बालकृष्ण देवांगन,एसटी मोर्चा जिला उपाध्यक्ष समय लाल,युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष रमेश तिवारी,युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष दिलीप राजवाड़े सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैकुंठपुर, शिवपुर-चरचा और पटना तक दिखा असर-कोरिया जिले में बैकुंठपुर एवं सोनहत जनपद पंचायत क्षेत्रों के साथ बैकुंठपुर, शिवपुर-चरचा और पटना नगरीय क्षेत्रों में भी व्यापक स्तर पर दीप प्रज्वलित किए गए,घर,मोहल्ले,गांव,वार्ड और सार्वजनिक स्थलों पर दीप जलाए गए। अमृत सरोवरों और प्रमुख स्थानों पर भी कार्यक्रम आयोजित हुए,प्रबुद्ध नागरिक देवेंद्र तिवारी ने कहा कि यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कार्यों और जीवन मूल्यों को आम लोगों तक पहुंचाने तथा योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों के माध्यम से आभार व्यक्त करने का अवसर है, कृष्ण बिहारी जायसवाल ने कहा कि एक अच्छे नेतृत्व की पहचान सबके साथ और सबके प्रयास से विकास की दिशा में आगे बढ़ने में है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी देश को विकसित भारत की दिशा में ले जाने के लिए संकल्पबद्ध हैं।

मनेन्द्रगढ़ से सोनहत तक अलग-अलग आयोजन, एक ही अभियान का संदेश-17 सितंबर की शाम कोरिया और एमसीबी में 'आशीर्वाद का दीया' ने अलग-अलग स्थानों पर अलग-अलग दृश्य रचे, मनेन्द्रगढ़ के सरोवर तालाब में पांच लाख से अधिक दीप जलाए गए,पानी में पड़ती रोशनी और तालाब के चारों ओर जगमगाते दीप आयोजन का सबसे बड़ा आकर्षण रहे, कोरिया में तीन लाख से अधिक दीप प्रज्वलित किए गए, झुमका ओपन थिएटर में 25 हजार से अधिक दीप जलाकर जिला स्तरीय आयोजन किया गया,सोनहत में 11,901 दीपों ने मिनी स्टेडियम को रोशन किया,जबकि हसदेव नदी के उद्गम स्थल मेन्द्रा पर दीप जलाकर जलस्त्रोत संरक्षण का संदेश दिया गया,इस तरह एक ही शाम में दोनों जिलों में दीप प्रज्वलन के माध्यम से सेवा, जनभागीदारी,समर्पण और संकल्प का संदेश अलग-अलग रूपों में सामने आया।

17 अक्टूबर तक चलेगा सेवा संकल्प अभियान- 'सेवा संकल्प अभियान-2026' को 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक संचालित किए जाने की जानकारी दी गई है, अभियान के आगामी चरणों में ब्लॉक और जिला स्तर पर सेवा,जनभागीदारी,जनकल्याण तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, पहले चरण 'आशीर्वाद का दीया' में दीप प्रज्वलन को जनभागीदारी का माध्यम बनाया गया, अब अभियान का अगला फोकस विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों की सहभागिता बढ़ाने और सेवा एवं जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने पर रहेगा।

रोशनी की यह तस्वीर क्या कहती है?- मनेन्द्रगढ़ के विशाल सरोवर से लेकर झुमका ओपन थिएटर, सोनहत के मिनी स्टेडियम और हसदेव के उद्गम स्थल तक दीपों की रोशनी ने 17 सितंबर की शाम को एक अलग दृश्य में बदल दिया, पांच लाख से अधिक दीपों वाला मनेन्द्रगढ़,तीन लाख से अधिक दीपों वाला कोरिया और 11,901 दीपों वाला सोनहत–तीनों आयोजन जनभागीदारी के अलग-अलग पैमाने सामने लाए, अब 17 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान में इन आयोजनों से आगे सेवा,जनकल्याण, सामाजिक सहभागिता और जलस्त्रोत संरक्षण जैसे संकल्पों को किस तरह जमीन पर आगे बढ़ाया जाता है, यह अभियान की अगली तस्वीर तय करेगा।

दिसंबर में शादी या दो महीने पहले ही हो चुकी? समय रैना-मेधा शंकर को लेकर सोशल मीडिया पर दो दावों ने बढ़ाई हलचल

समय रैना और मेधा शंकर की शादी को लेकर सोशल मीडिया पर दो अलग-अलग दावे सामने आए हैं। एक दिसंबर में शादी की बात कहता है, जबकि दूसरा दो महीने पहले शादी होने की चर्चा करता है। कॉमेडियन और 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के होस्ट समय रैना और अभिनेत्री मेधा शंकर पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। दोनों के रिश्ते को लेकर पहले भी इंटरनेट पर तरह-तरह की अटकलें लगती रही हैं, लेकिन अब मामला शादी की चर्चाओं तक पहुंच गया है। खास बात यह है कि इस समय सोशल मीडिया पर दोनों को लेकर दो अलग-अलग दावे चर्चा में हैं। एक वायरल पोस्ट में कहा जा रहा है कि समय और मेधा दिसंबर 2026 में शादी कर सकते हैं, जबकि दूसरी सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया गया कि दोनों की शादी करीब दो महीने पहले ही हो चुकी है। हालांकि, इन दोनों दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और न ही समय रैना या मेधा शंकर ने अपने रिश्ते या शादी को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी साझा की है।

पहला दावा- दिसंबर में शादी की चर्चा

शादी को लेकर पहली चर्चा एक कथित रेडिट पोस्ट से शुरू हुई, जिसका स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया गया। पोस्ट में कथित तौर पर लिखा गया था कि समय रैना और मेधा शंकर दिसंबर में शादी करने की योजना बना रहे हैं। पोस्ट करने वाले यूजर ने खुद को समय के परिवार के करीब बताया और यह भी लिखा कि उसने कथित तौर पर समय की मां से इस बारे में बात की है। इस पोस्ट में यह भी कहा गया कि दोनों फिलहाल छुट्टियां मना रहे हैं और वापस लौटने के बाद शादी की तैयारियां शुरू हो सकती हैं। हालांकि मूल रेडिट पोस्ट अब दिखाई नहीं दे रहा है और सोशल मीडिया पर सामने आए स्क्रीनशॉट के अलावा

इस दावे की कोई स्वतंत्र पुष्टि सामने नहीं आई है। यही वजह है कि इसे फिलहाल सोशल मीडिया पर चल रही अटकल के तौर पर ही देखा जा रहा है।

दूसरा दावा-क्या दो महीने पहले हो चुकी शादी?

दिसंबर वाली चर्चा के बीच सोशल मीडिया पर एक और पोस्ट सामने आने की बात कही जा रही है। इस कथित पोस्ट में इससे बिल्कुल अलग दावा किया गया कि समय रैना और मेधा शंकर करीब दो महीने पहले ही शादी कर चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस पोस्ट में एक निजी समारोह में शादी होने की बात कही गई थी और जानकारी का स्रोत मेधा की किसी करीबी दोस्त को बताया गया था। यह पोस्ट भी कथित तौर पर रेडिट पर शेयर किया गया था और बाद में डिलीट हो गया। ऐसे में इस दावे की भी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो पाई है। यानी सोशल मीडिया पर एक तरफ दिसंबर में शादी की चर्चा चल रही है, तो दूसरी तरफ एक अलग पोस्ट दोनों की शादी पहले ही हो जाने की बात कर रही है। दोनों दावों के बीच यही सबसे बड़ा विरोधाभास है।

आखिर क्यों जुड़ते हैं समय और मेधा के नाम?

समय रैना और मेधा शंकर के नाम पहले से ही सोशल मीडिया पर जोड़े जाते रहे हैं। दोनों की साथ में मौजूदगी और सोशल मीडिया पर सामने आने वाली गतिविधियों ने फैंस की दिलचस्पी बढ़ाई है। 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के एक एपिसोड में मेधा शंकर भी नजर आई थीं। इसी दौरान जब समय से पूछा गया कि वह पैनल में मौजूद किस व्यक्ति के सबसे करीब हैं, तो उन्होंने मेधा शंकर का नाम लिया था। समय का यह जवाब सोशल मीडिया यूजर्स के लिए चर्चा का विषय बन गया और दोनों के बीच रिश्ते को लेकर अटकलें तेज हो गईं। हालांकि यह ध्यान रखना जरूरी है कि किसी शो में साथ नजर आना या किसी को करीबी बताना अपने आप में रिश्ते या शादी की पुष्टि नहीं करता।

समय ने एक दूसरी डेटिंग अफवाह पर दिया था जवाब

दिलचस्प बात यह है कि समय रैना हाल ही में कॉमेडियन शेरॉन वर्मा के साथ अपने नाम जुड़ने की अफवाह पर प्रतिक्रिया दे चुके हैं। 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के दूसरे सीजन में दोनों की बातचीत के बाद सोशल मीडिया पर उनके डेटिंग करने की अटकलें शुरू हुई थीं। सितंबर में इंस्टाग्राम पर एक सवाल-जवाब के दौरान जब एक यूजर ने समय से पूछा कि क्या वह शेरॉन को डेट कर रहे हैं तो उन्होंने जवाब दिया,नो ब्रदर,जस्ट इंटरनेट डूइंग इट्स थिंग। यानी उन्होंने इस अफवाह को खारिज करते हुए कहा कि इंटरनेट अपने हिसाब से बातें बना रहा है। हालांकि मेधा शंकर के साथ रिश्ते या शादी को लेकर समय ने ऐसा कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है। इसका मतलब यह भी नहीं है कि सोशल मीडिया पर चल रही शादी की किसी भी अटकल को सही माना जाए। फिलहाल दोनों मामलों में आधिकारिक जानकारी का इंतजार है।

स्विट्जरलैंड वेकेशन की चर्चा ने भी बढ़ाई थी हलचल

समय और मेधा को लेकर सोशल मीडिया पर कुछ समय पहले एक और चर्चा भी सामने आई थी। कुछ यूजर्स ने दावा किया कि दोनों स्विट्जरलैंड में छुट्टियां मना रहे हैं। इस चर्चा के साथ एक तस्वीर भी शेयर की गई, लेकिन उसमें सिर्फ एक पुरुष और महिला की पीछे से तस्वीर दिखाई देती है। तस्वीर से यह स्वतंत्र रूप से तय नहीं किया जा सकता कि उसमें मौजूद लोग समय और मेधा ही हैं। दोनों के सोशल मीडिया पोस्ट में छुट्टियों से जुड़ी टाइमिंग को लेकर भी यूजर्स ने अनुमान लगाए, लेकिन ये बातें भी पुष्टि से ज्यादा सोशल मीडिया की अटकलों तक ही सीमित रहीं।

फिलहाल दोनों दावों में से किसी की पुष्टि नहीं

समय रैना और मेधा शंकर की शादी को लेकर इस वक्त सोशल मीडिया पर दो अलग-अलग कहानियां घूम रही हैं। पहली चर्चा दिसंबर 2026 में शादी होने की है, जबकि दूसरी कथित पोस्ट में कहा गया कि दोनों करीब दो महीने पहले ही निजी समारोह में शादी कर चुके हैं। दोनों ही बातें अनाम सोशल मीडिया पोस्ट से सामने आई हैं और दोनों की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध नहीं है। समय रैना और मेधा शंकर ने भी अब तक अपनी शादी या रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। इसलिए फिलहाल इन चर्चाओं को सोशल मीडिया पर चल रही अटकलों के तौर पर ही देखा जा सकता है। जब तक दोनों में से कोई खुद इस बारे में जानकारी नहीं देता, शादी को लेकर किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी।

काश आदमियों को पीरियड आते,श्रुति हासन का मजाकिया अंदाज में छलका दर्द,सुनकर छूटी सोहा अली खान की हंसी

श्रुति हासन ने पीरियड्स के दर्द और पीसीओएस पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि करियर की शुरुआत में सेट पर परेशानी बताना मुश्किल था। अभिनेत्री ने पुरुषों के पीरियड्स की मजेदार इच्छा भी जताई। बॉलीवुड और साउथ एक्ट्रेस श्रुति हासन ने हाल ही में पीरियड्स और उससे जुड़े दर्द को लेकर खुलकर बात की। सोहा अली खान के पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि फिल्म की शूटिंग के दौरान दर्दनाक पीरियड्स से गुजरना उनके लिए हमेशा आसान नहीं रहा।

खासकर करियर के शुरुआती दौर में वह सेट पर अपनी परेशानी के बारे में खुलकर बात नहीं कर पाती थीं। श्रुति ने बताया कि कई बार उनकी ऊर्जा और व्यवहार में बदलाव देखकर निर्देशक सोचते थे कि आखिर उस दिन उन्हें क्या हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर सेट पर लोग उनकी स्थिति समझते तो काम को थोड़ा ज्यादा सहयोगात्मक तरीके से किया जा सकता था।

श्रुति ने कहा...काश... पुरुषों को भी पीरियड्स होते

सोहा अली खान के साथ बातचीत में श्रुति हासन ने पीरियड्स और हार्मोन्स को लेकर समाज में मौजूद गलत धारणाओं पर बात की। इसी दौरान उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि इस समस्या का एक ही समाधान है और वह कई बार मन ही मन प्रार्थना कर चुकी हैं कि पुरुषों को भी पीरियड्स होने लगें। श्रुति ने कहा कि अगर ऐसा होता तो शायद काम की शर्तों में पीरियड्स की छुट्टियां भी शामिल होतीं। उनके मुताबिक तब महिलाओं को हर महीने यह समझाने की जरूरत नहीं पड़ती कि पीरियड्स के दौरान शरीर किस तरह प्रभावित होता है। सोहा ने भी उनकी बात से सहमति जताते हुए मजाक किया कि ऐसी स्थिति में पुरुष आपस में यह चर्चा करने लगते कि उस महीने किसका ब्लीडिंग ज्यादा हुआ या किसका टैम्पोन कितना बड़ा था। बातचीत का यह हिस्सा भले ही हल्के-फुल्के अंदाज में सामने आया, लेकिन इसके पीछे श्रुति ने महिलाओं के लिए कार्यस्थल पर पीरियड्स से जुड़ी परेशानियों को समझे जाने की जरूरत पर गंभीर सवाल उठाया।

पीसीओएस की वजह से होते हैं दर्दनाक पीरियड्स

श्रुति हासन ने बताया कि उन्हें पीसीओएस यानी पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम की समस्या है, जिसकी वजह से उनके पीरियड्स कई बार काफी दर्दनाक होते हैं। उन्होंने कहा कि करियर की शुरुआत में इस बारे में सेट पर बात करना उनके लिए मुश्किल था। श्रुति के मुताबिक यह सिर्फ पीरियड्स को लेकर मौजूद झिझक की वजह से नहीं था। कई लोग इस विषय पर बात ही नहीं करना चाहते थे। ऐसे में जब किसी शूटिंग वाले दिन उनकी ऊर्जा सामान्य से अलग होती या वह थोड़ा अलग व्यवहार करतीं तो निर्देशक इसका कारण नहीं समझ पाते थे। उन्होंने बताया कि उनके लिए चीजें तब बदलनी शुरू हुईं, जब उन्होंने अपनी परेशानी के बारे में सेट पर लोगों को बताना शुरू किया।

मेरे पीरियड्स हैं' कहने के बाद बदला माहौल

श्रुति ने बातचीत में एक अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि एक बार उनके एक को-स्टार ने अपनी घुटने की सर्जरी के बारे में बताया था। उस समय टीम ने उनकी स्थिति को समझते हुए शूटिंग को उसी हिसाब से एडजस्ट करने की कोशिश की।

खेल-समाचार

भारतीय महिला टीम की विजयी शुरुआत,जापान को दी मात

निशिन,18 सितम्बर 2026। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियाई खेलों में अपने गोल्ड मेडल को बचाने की मुहिम की शानदार शुरुआत की। शुक्रवार को कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए चौथे क्वार्टर फ़ाइनल में उन्होंने मेज़बान जापान को आठ विकेट से आसानी से हरा दिया। शेफ़ाली वर्मा ने 15 गेंदों पर नाबाद 40 रन बनाए, जबकि श्री चरानी ने चार विकेट लिए। वुमन इन ब्लू ने 58 रनों के छोटे से लक्ष्य को सिर्फ़ पांच ओवर में हासिल कर आठ विकेट से जीत दर्ज की। शेफ़ाली ने जी. कमलिनि के साथ ओपनिंग करते हुए इस छोटे लक्ष्य का पीछा करने की अच्छी शुरुआत की।

एशियाई खेल 2026 भारत ने मनु भाकर और तेजिंदरपाल तूर के नाम किया बड़ा दायित्व

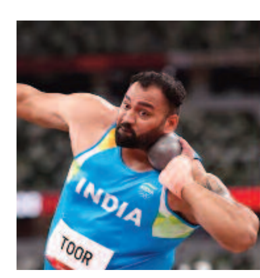

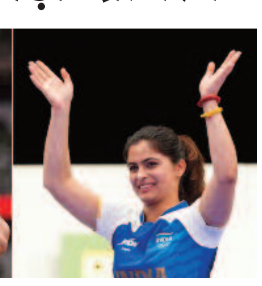

नई दिल्ली,18 सितम्बर 2026। भारत ने एशियाई खेल 2026 के उद्घाटन समारोह के लिए निशानेबाज मनु भाकर और गोला फेंक खिलाड़ी तेजिंदरपाल सिंह तूर को अपना ध्वजवाहक चुना है। दोनों खिलाड़ी समारोह में भारतीय दल का नेतृत्व करते नजर आएंगे। मनु भाकर और तेजिंदरपाल तूर अपने-अपने खेलों में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई उपलब्धियां हासिल कर चुके हैं। उनके चयन को भारतीय खेल जगत में सम्मान के रूप में देखा जा रहा है। मनु भाकर भारत की प्रमुख निशानेबाजों में शामिल हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन किया है। शूटिंग में उनकी उपलब्धियों के कारण वह युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनी हैं।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा.प्र.क्र./अ-20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदकगण निरज कुमार कठगर, नरेन्द्र कठगर आ0 स्व0 आर0डी0 कठगर दोनो जाति कोरी एवं अन्य 05, निवासी नेहरू वार्ड 25 अम्बिकापुर निवासी अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ0ग0 द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर -02 मोहल्ला-सत्तीपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 671/2 रकबा 0.89 एकड़ भूमि में से रकबा 0.03 एकड़ को अनावेदक/ क्रेता विशाल गुप्ता आ0 अशोक गुप्ता, रीता गुप्ता पति अशोक गुप्ता, जाति हलवाई, निवासी बाबुभाई काम्पलेक्टस देवीगंज मार्ग अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ0ग0 के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 30.09.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है । नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक 16.09.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार दरिमा, जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क0. /ब-121/2025-26

ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक / आवेदिका श्री संतोष कुमार सिंह पिताराम करन सिंह निवासी ग्राम दरिमा के द्वारा मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1969 के धारा 13(3) एवं छ0ग0 मृत्यु रजि0 नियम 2001 के नियम 09 (3) के अन्तर्गत अपने माता चम्पा बाई सिंह पिता..... का मृत्यु दिनांक 25/01/2025 को ग्राम दरिमा में होना बतलाते हुये उनके जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय बावेत आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से जारी दिनांक से 15 दिवस के भीतर इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति परं कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 11/09 / 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी किया गया ।

सील

नायब तहसीलदार
दरिमा,जिला-सरगुजा,छ0ग0

नाम परिवर्तन सूचना

मै पनमेश्वर सिंह .(माता/पिता/ पालक का नाम) सुपुत्र/सुपुत्री विफ्ल कुमार सिंह गाँव / शहर बड़ा दमाली तहसील - दरिमा . जिला सरगुजा छत्तीसगढ़ राज्य ने, अपने नाबालिग सुपुत्र/ सुपुत्री का नाम बिफ्ल सिंह (पुराना नाम) से बदल कर विफ्ल कुमार सिंह (नया नाम) रख लिया है।

पालक
पनमेश्वर सिंह
बड़ा दमाली.तहसील-दरिमा
जिला सरगुजा छ0ग0

कार्यालय पुलिस अधीक्षक,पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय,मैनपाट,जिला सरगुजा (छ.ग.)

निविदा/भाव पत्र आमंत्रण

निविदा विज्ञप्ति क्र. - पुअ/पीटीएस/मैनपाट/एसी-1 /एम/1131-A/ 2026 दिनांक 16.09.2026

पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय,मैनपाट,जिला सरगुजा (छ.ग.) में विभिन्न निर्माण कार्य किए जाने हेतु अनुबंध पर ठेका में दिए जाने हेतु सीलबंद लिफाफे / भावपत्र आमंत्रिए किए जाते हैं। ऐसी इच्छुक संस्था/फर्म जिन्हें किसी शासकीय /अर्धशासकीय /निगमित निकायों/सार्वजनिक उपक्रमों में कार्य करने का अनुभव हो निर्धारित निविदा प्रपत्र,नियम एवं शर्तें इस कार्यालय से प्राप्त कर, निर्धारित धरोहर राशि के साथ आवेदन कर सकते हैं। निविदा प्रपत्र प्रत्येक कार्य हेतु अलग-अलग आवेदन पत्र के साथ रूपये 500=00 (पांच सौ मात्र) का चालान कोषालय में लेखा शीर्ष 0055 पुलिस शीर्ष 800 अन्य प्राप्तियां मद में जमा कर चालान की मूल प्रति पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय,मैनपाट,जिला सरगुजा (छ.ग.) कार्यालय में प्रस्तुत कर दिनांक 25.09.2026 के 15:00 बजे तक कार्यालयीन दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

स.क्र.	कार्य का नाम	स्वीकृत राशि रूपये	अमानत राशि
01	Construction of Balwa Drill Miscellaneous Store at PTS Mainpat	2,90,000/-	03 प्रतिशत
02	Leveling of New Pared Ground at PTS Mainpat	2,99,000/-	03 प्रतिशत
03	Construction of RCC Barrack at PTS Mainpat	19,99,000/-	03 प्रतिशत

01. निविदा बिक्री की अंतिम तिथि - 25.09.2026 को समय 15:00 बजे।
02. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 05.10.2026 को समय 15:00 बजे।
03. निविदा खोलने की तिथि – 05.10.2026 को समय 16: 00 बजे।

नोट - प्रत्येक निर्माण कार्य हेतु पृथक-पृथक निविदा फार्म प्रस्तुत किया जाना होगा ।
निविदा प्रपत्र विक्रय स्थल - पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय,मैनपाट,जिला सरगुजा (छ.ग.)

पुलिस अधीक्षक
पीटीएस, मैनपाट जिला सरगुजा

जी0नं0 -262703336/3

न्यायालय नायब तहसीलदार लटोरी

मामले की श्रेणी-राजस्व

संदर्भः- जिला-सूरजपुर तहसील-लटोरी प.ह.न. -00016 अखोराकला ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-. MD202526640719800033

ईश्तहार

तहसील लटोरी के प.ह.न. 00016 के अंतर्गत ग्राम अखोराकला के वर्तमान भूमिस्वामी हलकराम पिता/पति-पिता क्षत्री पता-सा. कंचनपुर, कवल प्रसाद पिता/पति क्षत्री पता-सा देह , कविलाल पिता/पति क्षत्री पता-सा देह पता-सा देह, मंगलराम पिता/पति क्षत्री पता-सा देह,खुलमुल पिता/पति क्षत्री के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 2681 (0.2000) में प्रस्तावित भूमिस्वामी / क्रेता हलकेन पिता/पति-हलकनाथ पता- सा0 कंचनपुर, नाबा0 दीपक राजवाड़े पिता/पति प्रदीप पता-सा0 कंचनपुर, कमलू परमेश्वर राजवाड़े पिता/पति हलकनाथ पता-सा0 कंचनपुर पिता/पति क्षत्री पता-सा देह, संजय राजवाड़े पिता/पति- कविलास पता-सा0 कंचनपुर, बिमलाबाई पिता/पति प्रदीप मनबोध राजवाड़े पता-सा0 कंचनपुर, खेलू पिता/पति क्षत्री पता-सा देह,पिता/पति-हलकनाथ पता-सा0 कंचनपुर, देवीलाल राजवाड़े पिता/पति-कविलास पता- सा0 कंचनपुर, छन्नू कुमार राजवाड़े पिता/पति-हलकनाथ पता-सा0 कंचनपुर, ध्रुव राजवाड़े पिता/पति-प्रदीप पता सा0 कंचनपुर, मगलसाय पिता/पति क्षत्री पता-सा देह के नाम पर पंजीयन / फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 28/09/2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय नायब तहसीलदार लटोरी पर की जावेगी ।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 17/09/2026 को जारी किया जाता है।

सील

नाय तहसीलदार
बिन्देश्वर प्रजापती
तहसील-लटोरी,जिला-सूरजपुर,छ0ग0

न्यायालय नायब तहसीलदार लटोरी

मामले की श्रेणी-राजस्व

संदर्भः- जिला-सूरजपुर तहसील-लटोरी प.ह.न. -00016 अखोराकला ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-. MD202526640719800032

ईश्तहार

मगलसाय पिता/पति क्षत्री पता-सा देह कविलास पिता/पति क्षत्री पता-सा देह के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 2608 (0.2400) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/ क्रेता छन्नू कुमार राजवाड़े पिता/पति-हलकनाथ पता-सा0 कंचनपुर नाबा0 दीपक राजवाड़े पिता/पति प्रदीप पता - सा0 कंचनपुर, कमलुराम पिता/पति क्षत्री राम पता-सा0 कंचनपुर हलकेन पिता/पति-हलकनाथ पता-सा0 कंचनपुर, ध्रुव राजवाड़े पिता/पति प्रदीप पता-सा0 कंचनपुर, खुलभुल राम राजवाड़े पिता/पति-छतरीराम पता सा0 कंचनपुर, मनबोध पिता/पति - हलकनाथ पता-सा0 कंचनपुर, देवीलाल राजवाड़े पिता/पति-कविलास पता- सा0 कंचनपुर, मंगल पिता/पति क्षत्री पता-सा0 कंचनपुर, परमेश्वर- पिता/पति - हलकनाथ पता-सा0 कंचनपुर, संजय राजवाड़े पिता/पति - कविलास पता-सा0 कंचनपुर, बिमलाबाई पिता/पति प्रदीप पता-सा0 कंचनपुर के नाम पर पंजीयन / फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 28/09/2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय नायब तहसीलदार लटोरी पर की जावेगी ।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 17/09/2026 को जारी किया जाता है।

सील

नाय तहसीलदार
बिन्देश्वर प्रजापती
तहसील-लटोरी,जिला-सूरजपुर,छ0ग0

न्यायालय तहसीलदार राजपुर,जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0)

रा0प्र0क0. -121/2025-26
ग्राम - कोदौरा तहसील राजपुर

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण आम जनता कोदौरा को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमति विगमनिया आ. स्व. रामसुन्दर जाति गोड़ निवास ग्राम कोदौरा थाना पस्ता राजपुर तहसील राजपुर जिला बलरामपुर रामानुजगंज (छ.ग.) द्वारा अपने पिताजी स्व. रामसुन्दर आ0 जमादार का मृत्यु दिनॉक 18.05.2005 को मृत्यु हुआ है। किन्तु मृत्यु पंजीयन कार्यालय में नियत समय में अज्ञानता वंश कार्य व्यस्तता के कारण पंजीयन नहीं करा पाने के कारण पंजीयन हेतु आवेदन पत्र शपथ पत्र पेश है। जो न्यायालय में मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु विचाराधीन है।

आवेदक के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से पेशी तिथि 24/09/2026 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक. 07/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

सील

कार्यापालिक दण्डाधिकारी
जिला बलरामपुर-
रामानुजगंज (छग0)

नाम परिवर्तन सूचना

मैं अनीता राजवाड़े आ. विनोद राजवाड़े उम्र 19 वर्ष जाति रजवार निवासी ग्राम पसला पोस्ट बसदेई थाना सूरजपुर तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़ ने अपना आधार नंबर 394281497205 में नाम अनीता राजवाड़े (ANITA RAJWADE) से बदल कर अमिता राजवाड़े (AMITA RAJWADE) रख ली हूं। जो मेरे कक्षा 10वीं की अंकसूची में दर्ज है।

अमिता राजवाड़े
निवासी ग्राम पसला पोस्ट बसदेई
थाना सूरजपुर तहसील सूरजपुर जिला
सूरजपुर छत्तीसगढ़

न्यायालय तहसीलदार दरिमा, जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क0. /ब-121/2025-26

ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक / आवेदिका श्री संतोष कुमार सिंह पिताराम करन सिंह निवासी ग्राम दरिमा के द्वारा मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1969 के धारा 13(3) एवं छ0ग0 मृत्यु रजि0 नियम 2001 के नियम 09 (3) के अन्तर्गत अपने माता चम्पा बाई सिंह पिता..... का मृत्यु दिनांक 25/01/2025 को ग्राम दरिमा में होना बतलाते हुये उनके जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय बावेत आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से जारी दिनांक से 15 दिवस के भीतर इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति परं कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 11/09 / 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी किया गया ।

सील

नायब तहसीलदार
दरिमा,जिला-सरगुजा,छ0ग0

NAME CHANGE

I, Suruchi Singh, daughter of Arun Kumar Singh, resident of Fundurdihari, Patelpara, Tehsil Ambikapur, District Sarguja, Chhattisgarh, do hereby solemnly affirm and state as under: I solemnly affirm that I am a resident of the above-mentioned address. I solemnly affirm that I have passed Class 12th Session 2026 from CARMEL SCHOOL, AMBIKAPUR, NAMNAKALA, SURGUJA, CG, in which my mother's name has been recorded as SHARMITHA SINGH, which is erroneous, whereas the correct name of my mother is SHARMISTHA SINGH, as recorded in my Class 10th Marksheet, bearing Roll No. 12136614.

I solemnly affirm that I am submitting this self-declaration affidavit for the purpose of deleting my mother's name SHARMITHA SINGH recorded in my Class 12th Marksheet and getting the correct name of my mother recorded as SHARMISTHA SINGH as per Class 10th Marksheet and obtaining a duplicate copy thereof.

Suruchi Singh,
Fundurdihari, Patelpara, Tehsil
Ambikapur, District Sarguja,

नाम परिवर्तन सूचना

मै सुरूचि सिंह आ0 अरूण कुमार सिंह, निवासी फुन्दुरडिहारी, पटेलपारा तह. अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0म0 का निम्न कथन करती हूँ ।मैं उपरोक्त पते का निवासी हूँ। मैं कक्षा 12वीं सत्र 2026 में CARMEL SCHOOL AMBIKAPUR NAMNAKALA SURGUJA CG से उत्तीर्ण हो चुकी हूँ,जिसमे मेरी माता का नाम SHARMITHA SINGH दर्ज हो गया है, जोकि त्रुटि पूर्ण है,जबकि मेरी माता का सही नाम SHARMISTHA SINGH है, जोकि मेरे कक्षा 10वीं के अंकसूची में दर्ज है. जिसका अनुक्रमांक 12136614 है। मैं मेरे कक्षा 12वीं के अंकसूची दर्ज मेरी माता का नाम SHARMITHA SINGH को विलोपित कर कक्षा 10 वीं के अंकसूची के अनुसार मेरी माता का सही नाम SHARMISTHA SINGH दर्ज करा कर द्वितीय प्रति प्राप्त करने बावत यह स्वंय का शपथ पत्र प्रस्तुत कर रही हूं।

सुरूचि सिंह
फुन्दुरडिहारी,पटेलपारा, तहसील
अम्बिकापुर जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर , जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक संजय राम आ0 सिया राम निवासी बकिरमा थाना मणिपुर (अ.पुर) तहसील ने कराया है कि आवेदक..संजय राम की (दादी कोलडीहीन) आ0 सिया राम की दिनांक 27/08/ 2004 स्थान बकिरमा में हुई है आवेदक के मृत्यू उपरांत मृत्यू का पंजीयक नहीं कराया गया है । अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायलय में उपस्थित होकर अपना दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 15/9/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी ।

सील

तहसीलदार
अंबिकापुर
जिला-सरगुजा(छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर , जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक संजय राम आ0 सिया राम निवासी बकिरमा थाना मणिपुर (अ.पुर) तहसील ने कराया है कि आवेदक..संजय राम की (फुआ जुन्दरी) आ0 सिया राम की दिनांक 05/03/ 2002 स्थान बकिरमा में हुई है।
आवेदक के मृत्यू उपरांत मृत्यू का पंजीयक नहीं कराया गया है । अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायलय में उपस्थित होकर अपना दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 15/9/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी ।

सील

तहसीलदार
अंबिकापुर
जिला-सरगुजा(छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर , जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक संजय राम आ0 सिया राम निवासी बकिरमा थाना मणिपुर (अ.पुर) तहसील ने कराया है कि आवेदक..संजय राम (दादी तिली) आ0 सिया राम की दिनांक 15/5/ 1999 स्थान बकिरमा में हुई है
आवेदक के मृत्यू उपरांत मृत्यू का पंजीयक नहीं कराया गया है । अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायलय में उपस्थित होकर अपना दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 15/9/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी ।

सील

तहसीलदार
अंबिकापुर
जिला-सरगुजा(छ.ग.)

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
इंजीनियरिंग कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

क्र.संख्या (1) ई-निविदा संख्याः डीआरएम - इंजी.-बीएसपी-टी-162-26-27, दिनांकः 09.09.2026.
कार्यः बिलासपुर मण्डलः टीएसआर (पी) – 20.294 टीकेएम (चाम्पा – गेवरा रोड सेक्शन), टीएसआर (पी) – 31.677 टीकेएम (बिलासपुर – अनुपपुर सेक्शन), टीएसआर (पी) – 23.428 टीकेएम (अनूपपुर–कटनी सेक्शन) एवं टीएसआर (पी)– 9.511 टीकेएम (अनूपपुर–अंबिकापुर सेक्शन), कुल 84.91 टीकेएम को ठेकेदार का PQRS पोर्टल द्वारा कार्य। **निविदा मूल्यः** ₹ 26,12,92,219/-. **अमानत राशिः** ₹ 52,25,900/-. **कार्य पूर्णता की अवधिः** 12 माह।

निविदा जमा करने की आरंभ तिथिः 22.09.2026 से। **निविदा जमा करने की अंतिम तिथिः 06.10.2026 के 11.00** बजे तक।

उपरोक्त ई–निविदा सूचना की पूरी जानकारी वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओं हेतु ई–टेन्डर के अलावा अन्य निविदा स्वीकार नही की जाएगी।

मंडल रेलवे प्रबंधक(अभियंता)/
सीपीआर/10/पीएच/399 बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

RO.Number :-54255

आईटी, सेमीकंडक्टर,फार्मा,टेक्सटाइल और ग्रीन एनर्जी सहित नए एवं उभरते सेक्टरों पर राज्य सरकार का विशेष फोकस

सेमीकंडक्टर से ग्रीन एनर्जी तक,भविष्य के उद्योगों का नया गंतव्य बन रहा छत्तीसगढ़ : सीएम साय

रायपुर,18 सितम्बर 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में लघु उद्योग भारती द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 'इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर-2026' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने देश के विभिन्न राज्यों से आए उद्यमियों, निवेशकों और औद्योगिक प्रतिनिधियों का छत्तीसगढ़ की धरती पर स्वागत करते हुए उन्हें प्रदेश की विकास यात्रा में सहभागी बनने और यहां उपलब्ध निवेश की व्यापक संभावनाओं का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज अपनी पारंपरिक औद्योगिक ताकत के साथ नई अर्थव्यवस्था और उभरते उद्योगों की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। खनिज, ऊर्जा, वन संपदा, पर्याप्त मानव संसाधन और देश के मध्य में अनुकूल भौगोलिक स्थिति हमारी स्वाभाविक ताकत है। राज्य सरकार इन खूबियों को आधुनिक तकनीक, बेहतर अधोसंरचना और निवेशक हितैषी नीतियों से जोड़कर छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख औद्योगिक एवं निवेश गंतव्यों में स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की भूमिका केवल उद्योगों के लिए नियामक की नहीं है। हम सरकार को उद्योग और निवेश की राह आसान करने वाले सहयोगी और 'एक्सीलरेटर' के रूप में विकसित कर रहे हैं। हमारा प्रयास है कि निवेश का प्रस्ताव आने से लेकर उद्योग के धरातल पर स्थापित होने तक हर चरण में निवेशकों को सरल,पारदर्शी और समयबद्ध व्यवस्था मिले। मुख्यमंत्री ने लघु उद्योग भारती द्वारा राष्ट्रीय स्तर के इस महत्वपूर्ण औद्योगिक आयोजन के लिए रायपुर का चयन किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग हमारी अर्थव्यवस्था की मजबूत आधारशिला हैं। बड़े उद्योगों के साथ एमएसएमई का विस्तार होने से स्थानीय स्तर पर उद्यमिता बढ़ती है, रोजगार के अवसर पैदा होते हैं और आर्थिक गतिविधियों का लाभ समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लघु उद्योग भारती देशभर के 750 से अधिक जिलों में उद्यमियों को संगठित कर उद्योग और उद्यमिता को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। छत्तीसगढ़ के 25 जिलों में भी 1200 से अधिक लघु एवं मध्यम उद्योग संगठन से जुड़े हैं। 18 से 20 सितम्बर तक आयोजित इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर में देशभर के 300 से अधिक एमएसएमई उद्यमियों की भागीदारी इस आयोजन के महत्व को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि यह औद्योगिक मेला केवल उत्पादों और तकनीकों की प्रदर्शनी नहीं है। यह उद्यमियों के बीच संवाद, अनुभव, नवाचार और तकनीकी ज्ञान के आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण मंच है। इसके माध्यम से नए व्यावसायिक संबंध बनेंगे, नई संभावनाओं पर चर्चा होगी और युवाओं को उद्योग तथा उद्यमिता की दुनिया को करीब से समझने का अवसर मिलेगा।

निवेशकों के लिए प्रक्रियाएं सरल, सरकार बनेगी सहभागी : मुख्यमंत्री साय ने कहा कि किसी भी राज्य में उद्योग तभी तेजी से आगे बढ़ सकते हैं, जब निवेशकों को नीतिगत स्थिरता के साथ सरल और पारदर्शी प्रक्रियाएं मिलें। इसी सोच के साथ राज्य सरकार ने सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से उद्योग स्थापना से जुड़ी प्रक्रियाओं को आसान बनाने की दिशा में काम किया है, ताकि निवेशकों को विभिन्न कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि उद्योगों को समय पर आवश्यक भूमि, अधोसंरचना और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सरकार चाहती है कि उद्यमी अपना समय और ऊर्जा प्रक्रियागत जटिलताओं में लगाने के बजाय उत्पादन, नवाचार, विस्तार और रोजगार सृजन में लगाएं।

स्थानीय युवाओं के रोजगार से जुड़ेगा औद्योगिक विकास : मुख्यमंत्री साय ने कहा कि औद्योगिक विकास का वास्तविक लाभ तभी है, जब उससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ें। इसीलिए नई औद्योगिक नीति में स्थानीय रोजगार को विशेष महत्व दिया गया है। अधिक संख्या में स्थानीय युवाओं को रोजगार देने वाले उद्योगों के लिए विशेष प्रोत्साहन के प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य ऐसा औद्योगिक विकास है, जिसमें प्रदेश का युवा केवल रोजगार तलाशने वाला न रहे,बल्कि अपने कौशल, नवाचार और उद्यमशीलता के बल पर रोजगार देने वाला भी बने। एमएसएमई और स्टार्टअप इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। सरकार युवाओं को कौशल, तकनीक, बाजार और उद्यमिता के अवसरों से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

बस्तर में पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए व्यापक संभावनाएं

मुख्यमंत्री साय ने बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध जनजातीय संस्कृति और पर्यटन संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में उद्योगों के साथ पर्यटन क्षेत्र में भी निवेश की व्यापक संभावनाएं हैं। राज्य सरकार पर्यटन को रोजगार और स्थानीय आर्थिक विकास के महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि बस्तर के जलप्रपात,घने वन,प्राकृतिक स्थल और विशिष्ट जनजातीय संस्कृति देश-दुनिया के पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। होम-स्टे जैसी पहलों के माध्यम से पर्यटन को सीधे स्थानीय परिवारों की आजीविका से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने देशभर से आए उद्यमियों से आग्रह किया कि वे औद्योगिक मेले के साथ छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों को भी देखें और प्रदेश में उपलब्ध निवेश की विविध संभावनाओं को करीब से समझें।

'नई औद्योगिक नीति से निवेश को मिली नई गति'

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने उद्योग जगत, निवेशकों और विभिन्न हितधारकों से व्यापक विचार-विमर्श के बाद औद्योगिक विकास नीति 2024-30 लागू की है। इस नीति का उद्देश्य केवल निवेश आकर्षित करना नहीं, बल्कि ऐसा औद्योगिक इकोसिस्टम तैयार करना है, जिसमें निवेश, उत्पादन, रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था एक साथ आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि नई औद्योगिक नीति में प्रक्रियाओं के सरलीकरण, निवेशकों को प्रोत्साहन, नए एवं उभरते सेक्टरों को बढ़ावा और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार सृजन को विशेष प्राथमिकता दी गई है। नीति लागू होने के बाद प्रदेश को बड़े पैमाने पर निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और प्रसन्नता की बात है कि अनेक परियोजनाओं पर धरातल पर काम भी प्रारंभ हो चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ अब केवल कोयला, स्टील और सीमेंट जैसे पारंपरिक उद्योगों तक सीमित नहीं है। राज्य सरकार प्रदेश के औद्योगिक आधार को विविधता देने के लिए आईटी, सेमीकंडक्टर, फार्मा, टेक्सटाइल, ग्रीन एनर्जी सहित विभिन्न नए और भविष्य की अर्थव्यवस्था से जुड़े क्षेत्रों को प्रोत्साहित कर रही है। प्रदेश में लगभग 1100 करोड़ रुपए की सेमीकंडक्टर परियोजना पर कार्य प्रारंभ होना इस बदलते औद्योगिक परिदृश्य का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि नवा रायपुर को आधुनिक टेक्नोलॉजी हब के रूप में विकसित करने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। यहां आधुनिक अधोसंरचना के साथ नए उद्योगों और तकनीक आधारित कंपनियों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है। राज्य में टेक्नोलॉजी हब और इंडस्ट्री एक्सीलेंस हब विकसित करने की दिशा में भी सरकार आगे बढ़ रही है।

'खनिज, ऊर्जा और वन संपदा छत्तीसगढ़ की बड़ी ताकत'

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से देश के सबसे समृद्ध राज्यों में शामिल है। कोयला, लौह अयस्क और बॉक्साइट सहित अनेक महत्वपूर्ण खनिज यहां प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। इन संसाधनों का प्रदेश के भीतर अधिक से अधिक मूल्य संवर्धन हमारी औद्योगिक रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का 44 प्रतिशत से अधिक भू-भाग वनाच्छादित है। प्रदेश में इमली, महुआ, चिरौंजी, हर्रा-बहेड़ा सहित अनेक प्रकार की लघु वनोपज और औषधीय संसाधन उपलब्ध हैं। इनका वैज्ञानिक प्रसंस्करण और वैल्यू एडिशन कर वनांचल में उद्योग एवं रोजगार की नई संभावनाएं विकसित की जा सकती हैं। इससे स्थानीय समुदायों और जनजातीय परिवारों की आय बढ़ाने के भी नए रास्ते खुलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र छत्तीसगढ़ की औद्योगिक क्षमता का एक और मजबूत आधार है। प्रदेश में लगभग 30 हजार मेगावाट विद्युत उत्पादन की क्षमता है। ऊर्जा क्षेत्र में नए निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो रहे हैं और आने वाले वर्षों में उत्पादन क्षमता को और बढ़ाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। पर्याप्त बिजली, जल संसाधन, मानव संसाधन, प्राकृतिक संपदा और देश के मध्य में स्थित होने का भौगोलिक लाभ छत्तीसगढ़ को उद्योगों के लिए स्वाभाविक रूप से अनुकूल बनाता है।

उद्योगों की लंबी उड़ान के लिए तैयार है छत्तीसगढ़ : उपमुख्यमंत्री अरुण साव

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि लघु उद्योग भारती द्वारा आयोजित इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर का 14वां संस्करण छत्तीसगढ़ की औद्योगिक विकास यात्रा के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश उद्योगों के क्षेत्र में नई और लंबी उड़ान के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन देश के अलग-अलग हिस्सों से आए उद्यमियों को एक-दूसरे के उत्पाद, तकनीक, नवाचार और अनुभव को समझने तथा नई व्यावसायिक संभावनाएं तलाशने का अवसर देगा। उद्योगों के विस्तार से प्रदेश में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने उद्यमियों से छत्तीसगढ़ की औद्योगिक संभावनाओं के साथ प्रदेश के पर्यटन और तीर्थ स्थलों को भी देखने का आग्रह किया।

तालाब में डूबने से 3 बच्चियों की मौत

कोरबा,18 सितम्बर 2026। छत्तीसगढ़ के कोरबा में नहाने गईं 3 सहेलियों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजन और ग्रामीण तालाब पहुंचे। वहां किनारे चप्पल और कपड़े मिले। इसी दौरान एक नाबालिग का शव दिखाई दिया। इसके बाद तालाब में डूबीं 2 अन्य नाबालिगों की तलाश शुरू की गई। कड़ी मशक्कत के बाद दोनों के शव भी तालाब से बरामद कर लिए गए। तीनों सहेलियां गुरुवार को स्कूल नहीं गई थीं और तालाब में नहाने पहुंची थीं। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। मामला पाली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, इंदु अगरिया (7) पिता दुर्जन, राखी (8) पिता मलखम और साधना (8) पिता सुखसिंह नुनेरा गांव की रहने वाली थीं। तीनों सहेलियां कक्षा पहली में पढ़ती थीं और किसान परिवार से थीं। गुरुवार को उनके परिवार के सदस्य काम करने गए थे। इस दौरान तीनों सहेलियां स्कूल नहीं गईं और दोपहर में तालाब में नहाने चली गईं। शाम को उनके परिजन घर लौटे तो तीनों घर पर नहीं थीं। इसके बाद परिजन और ग्रामीणों ने उनकी तलाश शुरू की। तलाश करते हुए एक ग्रामीण तालाब पहुंचा। वहां मेड़ पर बच्चियों के चप्पल और कपड़े मिले। वहीं, इंदु का शव तालाब में तैरता मिला। ग्रामीण ने तुरंत परिजनों और अन्य लोगों को इसकी जानकारी दी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से इंदु के शव को तालाब से बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस और ग्रामीणों ने तालाब में उतरकर बाकी दोनों बच्चियों की तलाश शुरू की। काफी मशक्कत के बाद राखी और साधना के शव भी बरामद कर लिए गए। पुलिस ने मर्ग कायम कर तीनों शवों का पंचनामा किया। इसके बाद शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया।

नगर पंचायत में बीजेपी पार्षदों का सामूहिक इस्तीफा सामान्य बात : स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल

रायगढ़,18 सितम्बर 2026। छत्तीसगढ़ की राजनीतिक गलियारों में रायगढ़ के पुसौर नगर पंचायत के 8 पार्षदों के सामूहिक इस्तीफे से खलबली मच गई है. त्याग पत्र में पार्षदों ने नगर पंचायत अध्यक्ष की कार्यप्रणाली और विकास कार्यों को लेकर नाराजगी जाहिर की है. इस घटनाक्रम के बीच अब स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का बयान सामने आया है. मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने घटनाक्रम को सामान्य बात बताया है। उन्होंने कहा कि राजनीति में अलग-अलग परिस्थितियों और कारणों के चलते लोग इस्तीफा देते रहते हैं। बता दें कि रायगढ़ भाजपा जिलाध्यक्ष अरुणधर दीवान को त्याग पत्र सौंपने वाले पुसौर नगर पंचायत के पार्षदों में वार्ड 6 पार्षद बलराम, वार्ड 14 पार्षद शौकीलाल चौहान, वार्ड-11 पार्षद रूपेश कुमार साव, वार्ड 1 पार्षद प्रदीप यादव, वार्ड 2 पार्षद फागूलाल प्रधान, वार्ड-3 पार्षद मंजू पटेल, वार्ड 7 पार्षद वरुण महाणा और नगर पंचायत उपाध्यक्ष उमेश साव शामिल हैं। पार्षदों ने त्याग पत्र में अपनी पीड़ा बताते हुए लिखा है कि शासकीय कर्मचारियों और नगर पंचायत अध्यक्ष द्वारा किये जा रहे उत्पीड़न एवं विकास कार्य की शून्यता को लेकर हम सभी अत्यंत पीड़ा में हैं।

भाजपा अजा मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति में बनी रणनीति

राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवेश कुमार ने संगठन को मजबूत करने का दिया मंत्र

रायपुर,18 सितम्बर 2026। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा,छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण प्रदेश कार्यसमिति बैठक शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सनम जांगड़े की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद शिवेश कुमार राम की विशेष उपस्थिति रही। बैठक में अनुसूचित जाति मोर्चा द्वारा प्रदेशभर में किए गए संगठनात्मक कार्यों, सामाजिक गतिविधियों एवं जनसेवा के कार्यों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। मंडल एवं जिला स्तर पर संगठन की सक्रियता को और प्रभावी बनाने को लेकर भी चर्चा हुई। आगामी समय के लिए मोर्चा की कार्ययोजना पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने,कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने तथा समाज के विभिन्न वर्गों तक निरंतर संपर्क एवं संवाद स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में सामाजिक समरसता को संगठन की प्राथमिकताओं में रखते हुए समाज के सभी वर्गों के बीच संवाद, संपर्क एवं सहभागिता बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया। समरस समाज के निर्माण के लिए संगठनात्मक स्तर पर निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया गया। कार्यसमिति में यह संकल्प व्यक्त किया गया कि केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा समाजहित से जुड़े कार्यों की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाई जाएगी और जरूरतमंदों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए कार्यकर्ता सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

प्रदेश कार्यसमिति में संगठन को जिला, मंडल एवं बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने तथा कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक गतिविधियों से निरंतर जोड़ने पर चर्चा हुई। कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण, संवाद और सक्रिय सहभागिता को संगठन की मजबूती का महत्वपूर्ण आधार बताया गया।

विचारधारा एवं जनकल्याणकारी कार्यों को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं : शिवेश राम

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवेश कुमार राम ने प्रदेश कार्यसमिति को संबोधित करते हुए संगठन को अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन की विचारधारा एवं जनकल्याणकारी कार्यों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया।

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री साय ने किया मार्गदर्शन

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने संगठन की कार्यपद्धति,अनुशासन एवं सक्रियता को मजबूत करने पर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। सीएम साय ने कार्यकर्ताओं को संगठन की शक्ति और विस्तार का आधार बताते हुए निरंतर सक्रिय रहने की प्रेरणा दी। बैठक में कैबिनेट मंत्रीगण दयालदास बघेल,गुरु खुशवंत साहेब एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी का भी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। वरिष्ठ नेताओं ने अनुसूचित जाति समाज के उत्थान, सम्मान एवं सशक्तीकरण के लिए संगठन की भूमिका को और प्रभावी बनाने पर विचार रखे।

पीएम मोदी के नेतृत्व में जनसेवा का संकल्प

बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास,सबका विश्वास और सबका प्रयास' के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। अनुसूचित जाति समाज के सम्मान,अधिकार,अवसर एवं सशक्तीकरण के लिए संगठन को निरंतर सक्रिय रखने का संकल्प लिया गया।

सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बचे दीपक बैज...मवेशी से टकराई पायलटिंग गाड़ी

पीसीसी चीफ ने कहा- मवेशियों को एक जगह रखने में सक्षम नहीं सरकार

रायपुर,18 सितम्बर 2026। छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज की पायलटिंग गाड़ी मवेशी से टकराने से बाल-बाल बची। सरगुजा में कार्यक्रम संपन्न होने के बाद लौटते समय कटघोरा-बिलासपुर सीमा क्षेत्र के पास यह हादसा हुआ। घटना को लेकर बैज ने प्रदेश की सड़कों पर मवेशियों के बैठे रहने और खराब सड़क व्यवस्था पर सरकार को घेरा। इसके साथ ही उन्होंने पीएम मोदी के जन्मदिन पर दीया जलाने, यूपीआई पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर चार्ज, यूथ कांग्रेस चुनाव में फर्जी मतपत्र के आरोप और पीएससी परीक्षा विवाद को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा।

मवेशियों को एक जगह रखने में सक्षम नहीं सरकार : बैज

दीपक बैज ने बताया कि सरगुजा में कार्यक्रम संपन्न होने के बाद वे करीब 3 बजे वापस आ रहे थे। कटघोरा और बिलासपुर की सीमा क्षेत्र के आसपास सड़क पर जगह-जगह मवेशी बैठे और खड़े थे। 4 लेन सड़क पर एक मवेशी से टकराते हुए पायलटिंग गाड़ी बची। पायलटिंग गाड़ी के अचानक ब्रेक लगाने से उनकी गाड़ी भी उससे टकराते-टकराते बची। सूझबूझ से गाड़ी को टर्न किया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। उन्होंने कहा कि खराब सड़कों की वजह से भी गाड़ियां दुर्घटनाओं का शिकार हो रही हैं। मवेशी सड़कों पर आकर बैठे रहते हैं और कई यात्री मवेशियों से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। हम भी उस दुर्घटना से बाल-बाल बचे हैं। सरकार मवेशियों को एक जगह रखने में सक्षम नहीं है। गौशाला हो या 4 लेन सड़क, व्यवस्था केवल खानापूर्ति तक सीमित है।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर दीया जलाने को लेकर साधा निशाना

पीएम मोदी के जन्मदिन पर जलाए गए दीयों को लेकर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में पीएम मोदी का जन्मदिन मनाया गया और इसे भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए करोड़ों दीए जलाए गए। दूसरी ओर ऐसे वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें गरीब बच्चे जलते दीयों से तेल निकालकर बोतल में डालते दिखाई दे रहे हैं। यह उनकी गरीबी और बेबसी को बताता है। एक तरफ पीएम मोदी के जन्मदिन पर करोड़ों दीयों में तेल जलाया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ बच्चे उसी तेल को खाने के उपयोग के लिए इकट्ठा कर रहे हैं। दीपक बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी भाजपा डेढ़ करोड़ से अधिक दीए जलाने का दावा कर रही है। इस कार्यक्रम में स्कूलों के शिक्षक, बच्चे, प्रशासनिक अधिकारी और आश्रम के बच्चों तक को लगाया गया। पीएम मोदी के जन्मदिन पर दीया जलाने का कार्यक्रम सरकारी नहीं था, तो फिर सरकारी तंत्र को इसमें क्यों झोंका गया? छत्तीसगढ़ में डेढ़ करोड़ दीए जलाए गए, अगर एक दीये में 10 रुपये का तेल लगा हो, तो करीब 15 करोड़ रुपये का तेल खर्च हुआ। यूपीआई पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर चार्ज को लेकर कहा कि केंद्र सरकार ने देश में यूपीआई को लेकर स्कीम जारी की थी, इसे डिजिटल क्रांति के रूप में देखा गया और ऑनलाइन पेमेंट के लिए लोगों को लगातार प्रचारित किया गया,आज लोगों की ऑनलाइन पेमेंट की आदत बन चुकी है, अब यूपीआई के जरिए देश में सालाना 85 हजार करोड़ रुपये वसूलने की तैयारी की जा रही है, सरकार ने लोगों को डिजिटल पेमेंट की आदत डलवाई और अब छोटे व्यापारियों, दुकानदारों और उपभोक्ताओं की जेब पर डाका डालने का काम किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन के 27 हजार हितग्राही अपात्र...कांग्रेस बोली-ढाई साल तक किस जांच के आधार पर भेजे 1 हजार,अब राशि वापस लेना गलत

रायपुर,18 सितम्बर 2026। रायपुर में महतारी वंदन योजना के हजारों हितग्राहियों को अपात्र बताए जाने के बाद राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। कांग्रेस का कहना है कि जिन महिलाओं को सरकार ने पात्र मानकर योजना में शामिल किया था, उनके खातों में करीब ढाई साल तक हर महीने 1 हजार रुपए भेजे गए। अब दोबारा पात्रता जांच के बाद इन्हीं में से कई महिलाओं से पहले मिली रकम वापस जमा करने को कहा जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने इसे महिलाओं के साथ अन्याय बताया है। उन्होंने सरकार से पूछा कि अगर ये महिलाएं पात्र नहीं थीं तो इन्हें योजना में किस आधार पर शामिल किया गया। ढाई साल तक इनके खातों में राशि किस जांच के आधार पर भेजी गई।

पात्रता जांच में 27 हजार अपात्र मिले...

महतारी वंदन योजना में पात्रता की दोबारा जांच के दौरान बड़ी संख्या में हितग्राहियों को अपात्र पाया गया। जुलाई 2026 में सामने आए आंकड़ों के मुताबिक,प्रदेश में करीब 27 हजार अपात्र मामले मिले थे। इन मामलों में करीब 9 करोड़ रुपए की राशि वापस लिए जाने की जानकारी दी गई थी। इनमें रायपुर में 2,883 और रायगढ़ में 1,017 अपात्र मामले बताए गए थे। बिलासपुर में हालिया जांच के दौरान महतारी वंदन योजना के 4 लाख 17 हजार 902 हितग्राहियों के रिकॉर्ड की जांच की गई। इनमें 542 महिलाएं अपात्र पाई गईं। विभाग के मुताबिक करीब 30 लाख रुपए वापस लिए जा चुके हैं। बिलासपुर में योजना की 31 किस्तों के जरिए अब तक करीब 1,216 करोड़ रुपए हितग्राहियों के खातों में पहुंच चुके हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)